प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 3 नवंबर को उभरते विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नवाचार सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करेंगे

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

लेफ्टिनेंट जनरल अविनाश दास ने दिल्ली कैंट स्थित आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफ्रल के कमांडेंट का पदभार संभाला

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 303 | रायपुर | सोमवार 03 नवंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

बहराइच नाव हादसे के पीड़ितों से सीएम योगी ने की मुलाकात, पुनर्वास और मुआवज़े का दिया आश्वासन

बहराइचः एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज रविवार को बहराइच ज़िले का दौरा किया। इस दौरे में सीएम योगी ने कौड़ियाला नदी में नाव पलटने से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। इस दुखद दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई और आठ लोग लापता हो गए। सीएम योगी ने प्रभावित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया और उनके पुनर्वास, आवास और मुआवज़े की घोषणा की। योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब 2:50 बजे मिहीपुरवा तहसील पहुँचे। यहाँ उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से बचाव अभियान की विस्तृत जानकारी ली और नाव दुर्घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण भी किया। प्रभावित परिवारों से मुलाकात के दौरान, मुख्यमंत्री ने उन्हें सांत्वना दी और एक बड़ी राहत योजना की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा, ग्रामीणों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। एक कॉलोनी बनाई जाएगी। उनके लिए सभी प्रकार की सुविधाएँ और बाज़ार उपलब्ध कराए जाएँगे। इसके लिए ज़मीन का अधिग्रहण किया जाएगा और उनके रहने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नाव दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को ज़मीन, धनराशि और आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अगले महीने पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा, नाव दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएँ हैं। इस दुख की घड़ी में हम उनके साथ हैं।

बिहारः आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर 'कट्टा' रखकर छीना मुख्यमंत्री पद

धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे, लेकिन नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ रही थीः मोदी

पटना. लोकशक्ति संवाददाता

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को विपक्षी महागठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए आरजेडी और कांग्रेस पर राजनीतिक गुंडागर्दी करने का आरोप लगाया. आरा में आयोजित एक जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि आरजेडी ने कांग्रेस की ÷कनपटी पर कट्टा रखकर÷ मुख्यमंत्री पद अपने हाथ में ले लिया. मोदी के इस बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, क्योंकि उन्होंने इस कथन के जरिए आरजेडी-कांग्रेस के बीच चल रही अंदरूनी खींचतान को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने नहीं चाहा था कि आरजेडी नेता को महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा बनाया जाए, लेकिन बंद कमरों में चली 'गुंडागर्दी' के खेल ने पार्टी को मजबूर कर दिया. मोदी ने कहा, ÷आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर मुख्यमंत्री पद छीन लिया. चुनाव से कुछ दिन पहले बंद कमरे में सत्ता का खेल खेला गया. कांग्रेस नहीं चाहती थी कि आरजेडी नेता को सीएम चेहरा बनाया जाए, लेकिन उसे मजबूरन यह घोषणा करनी पड़ी.÷

प्रधानमंत्री ने दावा किया कि यह सब उस समय हुआ जब नामांकन वापसी की आखिरी तारीख से एक दिन पहले विपक्षी खेमे में उथल-पुथल मची हुई थी. ÷मैं आपको अंदर की बात बता रहा हूं,÷ मोदी ने कहा, ÷एक दिन पहले बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल चला. कांग्रेस को मजबूर किया गया कि वह आरजेडी नेता को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करे. कांग्रेस चाहकर भी विरोध नहीं कर सकी.÷ प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में सीधे तौर पर तेजस्वी यादव का नाम नहीं लिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि उनका इशारा उन्हीं की ओर था. उन्होंने व्यंग्य भरे लहजे में कहा कि कांग्रेस और आरजेडी के बीच इतनी खींचतान है कि ÷चुनाव के बाद ये एक-दूसरे का सिर फोड़ देंगे.÷ मोदी के इस बयान पर सभा स्थल पर मौजूद भीड़ ने तालियों और नारों के साथ जोरदार प्रतिक्रिया दी. मोदी ने कहा कि आज कांग्रेस और आरजेडी दोनों दलों के भीतर घमासान मचा हुआ है, और उनकी राजनीति केवल सत्ता की कुर्सी के लिए है, जनता के विकास या बिहार की प्रगति के लिए नहीं. उन्होंने विपक्षी गठबंधन को ÷विभाजित घर÷ बताया और कहा कि यह गठबंधन बिहार की जनता को भ्रमित नहीं कर पाएगा.

÷महागठबंधन के अंदर इतनी नफरत है कि उनका एजेंडा अब केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाने का रह गया है,÷ प्रधानमंत्री ने कहा. उन्होंने यह भी जोड़ा कि बिहार की जनता सब समझती है और इस बार एनडीए को प्रचंड जनादेश देने जा रही है.

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर यह आरोप भी लगाया कि जब-जब देश की अस्मिता और आस्था के प्रतीक आयोजनों की बात आती है, तब कांग्रेस और आरजेडी का रवैया नकारात्मक रहा है. उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले जब प्रयागराज में महाकुंभ आयोजित हुआ था, तब आरजेडी नेताओं ने उसे 'फालतू' कहा था। इसी तरह, उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने छठ पर्व को ÷ड्रामा÷ कहा था. मोदी ने जनता से अपील की कि वे ऐसे नेताओं को करारा जवाब दें जिन्होंने भारत की संस्कृति और लोक आस्था का अपमान किया है.

प्रधानमंत्री ने कहा, ÷छठ पर्व हमारे आस्था और मातृत्व की पूजा का प्रतीक है. जो लोग इसे मजाक बनाते हैं, उन्हें जनता ऐसा सबक सिखाए कि भविष्य में कोई भी हमारी परंपराओं का अपमान करने की हिम्मत न करे।

मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'शाही परिवार' पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जब पाकिस्तान पर हमले होते थे, तब ÷कांग्रेस के शाही परिवार की नींद उड़ जाती थी.÷ उन्होंने कहा कि जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया और आतंक के खिलाफ कड़े कदम उठाए, तो कांग्रेस नेतृत्व बेचैन हो उठा था. ÷धमाके पाकिस्तान में हो रहे थे, लेकिन नींद कांग्रेस के शाही परिवार की उड़ रही थी,÷ मोदी ने कहा।

दिल्ली-फिरोजपुर वंदे भारत का इंतजार खत्म, 7 नवंबर से सफर होगा आसान

नई दिल्ली एजेंसी

दिल्ली और पंजाब के फिरोजपुर के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शेड्यूल जारी हो गया है। यह वंदे भारत फिरोजपुर कैंट से बठिंडा-पटियाला होते हुए दिल्ली के बीच संचालित की जाएगी, जिससे समय की बचत होगी और यात्रियों का सफर आरामदायक होगा। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देना चाहता हूं। दिल्ली से फिरोजपुर के बीच 7 नवंबर से वंदे भारत ट्रेन शुरू होगी। इसके लिए पंजाब की जनता को भी बधाई देना चाहता हूं। फिरोजपुर कैंट से दिल्ली जाने वाली ट्रेन सुबह 7:55 बजे फिरोजपुर कैंट से चलेगी और दोपहर 2:35 बजे दिल्ली पहुंचेगी। प्रमुख स्टेशनों में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन फरीदकोट पर 8:23 बजे पहुंचेगी और 8:25 बजे प्रस्थान करेगी, ये ट्रेन बटिंडा पर 9:10 बजे आगमन और 9:15 बजे प्रस्थान, धुरी स्टेशन पर 10:26 बजे आगमन और 10:28 बजे प्रस्थान, पटियाला पर 11:05 बजे आगमन और 11:07 बजे प्रस्थान, अंबाला कैंट पर 11:58 बजे आगमन और 12:00 बजे प्रस्थान, कुरुक्षेत्र पर 12:28 बजे आगमन और 12:30 बजे प्रस्थान व पानीपत पर 13:05 बजे आगमन और 13:07 बजे प्रस्थान करेगी।

लालू के बेटे की सरकार बनी तो हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे : शाह

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में ''हत्या, अपहरण और रंगदारी'' के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे। मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा। शाह ने कहा, ''अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा।'' उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर ''राजद शासन के दौरान देखे गए जंगलराज की पुनरावृत्ति'' को रोकें। शाह ने कहा, ''अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे-एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।'' गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''दोनों अपने-अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।''

शाह ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को सुरक्षित, समृद्ध और सशक्त बनाया है और उन्होंने अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं।'' वैशाली में आयोजित एक दूसरी सभा में शाह ने कहा, ''राजद शासन में अपहरण, हत्या और अत्याचार की घटनाएं आम थीं। मतदाता इस बार वोट देकर उस दौर की वापसी को रोकें।'' उन्होंने कहा, ''अगर लालू जी के बेटे मुख्यमंत्री बने तो बिहार में तीन नए विभाग बनेंगे-हत्या, अपहरण और रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ जंगलराज वापस लाने की कोशिश हो रही है।''

यात्रियों की जान जोखिम में डाली! लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान, मचा हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी।

एयर इंडिया में शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग की समस्या एक बार फिर सामने आई है। रेगुलेटर DGCA की फटकार के पांच महीने बाद भी एयरलाइन इस मुद्दे को पूरी तरह सुलझा नहीं पाई है। ताजा मामले में एक सीनियर कैप्टन और एक को-पायलट को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। जांच में पता चला कि दोनों ने पिछले महीने फ्लाइट ऑपरेट की थी – जबकि एक मामले में पायलट का इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था, और दूसरे में को-पायलट ने बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक यानी इंस्ट्रूमेंट रेटिंग टेस्ट पास नहीं किया था। सूत्रों के अनुसार, एयरबस A320 को-पायलट ने ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन के बावजूद बिना अनिवार्य करेक्टिव ट्रेनिंग के उड़ान भरी।

पटना में मोदी का शक्ति प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब 'फिर एक बार एनडीए सरकार' का संकल्प

विदेश

भारतीय नौसेना स्वदेशी जीसैट-7आर उपग्रह के माध्यम से अपने अंतरिक्ष-आधारित संचार नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाएगी

इसरो ने 'बाहुबली' रॉकेट से नौसेना को दी अंतरिक्ष की ताकत, लॉन्च हुआ एडवांस्ड सैटेलाइट

एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने आज एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए भारतीय नौसेना के लिए उसके अब तक के सबसे उन्नत (एडवांस्ड) कम्युनिकेशन सैटेलाइट CMS-03 (GSAT-7R) को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह सैटेलाइट नौसेना की अंतरिक्ष-आधारित संचार (स्पेस-बेस्ड कम्युनिकेशन) और समुद्री इलाके की निगरानी (मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस) की क्षमता को कई गुना मजबूत कर देगा।

श्रीहरिकोटा से सफल प्रक्षेपण

इस सैटेलाइट को आज शाम 5:26 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर के दूसरे लॉन्च पैड से लॉन्च किया गया। ISRO के वैज्ञानिकों ने इसे महीनों की मेहनत से तैयार किया है।

क्यों खास है यह सैटेलाइट?

1. सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट- इस सैटेलाइट की सबसे खास बात यह है कि यह भारत का अब तक का सबसे भारी कम्युनिकेशन सैटेलाइट है। इसका वजन लगभग 4400 किलोग्राम है।

2. 100% 'मेक इन इंडिया': GSAT-7R को पूरी तरह से भारत में ही डिजाइन और बनाया गया है। इसमें कई स्वदेशी तकनीक वाले पार्ट्स लगे हैं, जो खास तौर पर नौसेना की जरूरतों के लिए बनाए गए हैं। यह 'आत्मनिर्भर भारत' का एक बड़ा उदाहरण है, जिससे भारत की विदेशी सैटेलाइट्स पर निर्भरता खत्म होगी।

3. हाई-टेक संचार - यह सैटेलाइट नौसेना के जहाजों, हवाई जहाजों, पनडुब्बियों और समुद्री ऑपरेशंस सेंटर्स के बीच बेहद तेज और सुरक्षित संचार (वॉइस, डेटा और वीडियो लिंक) स्थापित करेगा।

इस्लामिक आतंकवाद पर भड़के ट्रंप, नाइजीरिया को दे डाली बड़ी धमकी

एजेंसी

नाइजीरिया में हो रही ईसाइयों की हत्या को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का गुस्सा फूटा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाइजीरिया में ईसाइयों के खिलाफ हो रही हिंसा को रोकने के लिए संभावित सैन्य कार्रवाई की योजना बनाने के लिए पेंटागन को आदेश दिया।

इसके साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर नाइजीरिया सरकार ईसाइयों के खिलाफ हिंसा को नहीं रोक सकती है तो ना केवल इस्लामी आतंकियों का सफाया किया जाएगा, बल्कि अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सभी सहायता को भी बंद कर दिया जाएगा। अपने ट्रूथ सोशल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी देते हुए लिखा, अगर नाइजीरियाई सरकार ईसाइयों की हत्या की इजाजत देती रही, तो अमेरिका नाइजीरिया को दी जाने वाली सभी तरह की सहायता तुरंत बंद कर देगा, और हो सकता है कि वह उस बदनाम देश में बंदूकें बरसाकर उन इस्लामी आतंकवादियों का सफाया कर दे जो ये भयानक अत्याचार कर रहे हैं।

रूस की 'तेल सप्लाई' पर यूक्रेन का बड़ा प्रहार, 164 ड्रोनों के अटैक से तुआप्से पोर्ट पर मची तबाही

मॉस्को/कीव ,यूक्रेन- यूक्रेन ने रविवार रात को रूस पर अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम दिया। इस भीषण अटैक में ब्लैक सी (काला सागर) पर स्थित रूस के महत्वपूर्ण तुआप्से पोर्ट को निशाना बनाया गया, जिससे वहां भारी नुकसान की खबर है। रिपोर्टों के मुताबिक, हमला इतना जबरदस्त था कि पोर्ट के एक हिस्से में भीषण आग लग गई, जिसने एक रूसी तेल टर्मिनल को अपनी चपेट में ले लिया। दूसरी ओर, रूस की एयर डिफेंस यूनिट ने दावा किया है कि उसने जवाबी कार्रवाई में 164 यूक्रेनी ड्रोनों को हवा में ही नष्ट कर दिया। रूस की क्रास्नोडार क्षेत्र के प्रशासन ने टेलीग्राम पर पुष्टि की कि तुआप्से में UAV (मानव रहित हवाई वाहनों) के हमले का जवाब दिया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, गिरते ड्रोन मलबे के कारण पोर्ट के बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान हुआ और आग लग गई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे लिखा, मैं अपने युद्ध विभाग को संभावित कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दे रहा हूं। अगर हम हमला करेंगे, तो वह तेज, करूर और तीखा होगा, ठीक वैसे ही जैसे आतंकवादी हमारे प्यारे ईसाइयों पर हमला करते हैं! ये एक चेतावनी है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने मामले की जांच का आदेश देते हुए लिखा था कि नाइजीरिया में ईसाई धर्म अस्तित्व के खतरे में है। हजारों ईसाई मारे जा रहे हैं। इस सामूहिक नरसंहार के लिए कट्टरपंथी इस्लामवादी जिम्मेदार हैं। मैं नाइजीरिया को एक विशेष चिंता का देश घोषित कर रहा हूं।

उन्होंने आगे कहा, जब ईसाइयों या ऐसे किसी भी समूह का नाइजीरिया की तरह कत्लेआम हो रहा है (दुनिया भर में 3,100 बनाम 4,476), तो कुछ तो करना ही होगा! मैं कांग्रेसी रिले मूर, अध्यक्ष टॉम कोल और सदन की विनियोग समिति के साथ मिलकर, इस मामले की तुरंत जांच करने और मुझे रिपोर्ट करने का अनुरोध करता हूं। नाइजीरिया और कई अन्य देशों में इस तरह के अत्याचार होते देख अमेरिका चुप नहीं रह सकता। हम दुनिया भर में अपनी विशाल ईसाई आबादी को बचाने के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम हैं!

लंदन में ट्रेन में भयावह घटना, एक साथ कई लोगों पर चाकू से हमला, मची अफरातफरी

9 लोगों की हालत गंभीर

लंदन.एजेंसी ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर से एक बड़ी खबर सामने आई है. शनिवार शाम लंदन जाने वाली एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया. इस घटना के बाद पूरी ट्रेन में दहशत का माहौल छा गया. अधिकारियों ने इस दुर्दांत घटना को देखते हुए तुरंत हंटिंग्डन में ट्रेन को रोक दिया. जिसके बाद, पुलिस ने इस घातक हमले में शामिल दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया.

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने मां कर्मा के विशेष आवरण का अनावरण किया

डाक विभाग केवल पत्रवाहक नहीं,विरासत और संस्कृति के संदेशवाहक है - तोखन साहू

बिलासपुर । बिलासपुर में आयोजित जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी 'बिलासापेक्स-2025' के भव्य उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तथा बिलासपुर सांसद तोखन साहू ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि डाक टिकट केवल कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि यह हमारी सभ्यता, संस्कृति और महान विरासत का प्रतीक है। ये टिकटें हमें हमारे राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और त्यागमयी परंपरा से जोड़ती हैं।

मंत्री साहू ने भक्त माता कर्मा जी पर आधारित विशेष आवरण का विमोचन करते हुए कहा कि यह केवल एक डाक आवरण नहीं, बल्कि करुणा, समानता और भक्ति की जीवंत गाथा है। माता कर्मा जी ने उस युग में सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ते हुए मानवता और प्रेम का संदेश दिया। जब भगवान जगन्नाथ ने स्वयं माता कर्मा द्वारा अर्पित खिचड़ी को स्वीकार किया, वह सामाजिक एकता और समानता की विजय थी।

उन्होंने कहा कि डाक विभाग ने इस विशेष आवरण के माध्यम से एक ऐतिहासिक कार्य किया है उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि वे केवल पत्रवाहक नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और समरसता के सच्चे संदेशवाहक हैं। जब यह आवरण देशभर में पहुँचेगा, तो मां कर्मा की भक्ति, मातृशक्ति और गौरव की महक को फैलाएगा।

कार्यक्रम में साहू ने सभी से यह आह्वान किया कि माता कर्मा जी की जीवन गाथा हमें यह सिखाती है कि सबसे बड़ा धर्म प्रेम है। आइए, हम सब मिलकर सामाजिक एकता, समानता और संस्कृति पर गर्व का संकल्प लें और अपने बिलासपुर को पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बनाएं।

कार्यक्रम के दौरान साहू ने डाक विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और पोस्ट ऑफिस सेविंग्स स्कीम्स की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि इन योजनाओं का लाभ लक्ष्य से अधिक लोगों तक पहुँचाया जाए ताकि हर गरीब, हर महिला, और हर वरिष्ठ नागरिक सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ सके।

इस अवसर पर साहू ने देश के प्रथम गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने अखंड भारत के स्वप्न को साकार किया। आज उनके आदर्शों पर चलना ही सच्ची राष्ट्रसेवा है।

कार्यक्रम में डाक विभाग के दिनेश मिस्त्री, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनेश सिंह, जिला अध्यक्ष दीपक सिंह, विनीत सिंह,महामंत्री एस. मनहर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नया विधानसभा गर्भगृह को सिलिंग को कटोरे का स्वरूप दिया गया है

51 एकड़ में भूभाग में निर्मित है नया विधानसभा भवन

500 व्यक्तियों की क्षमता वाला आडिटोरियम

रायपुर । नया राज्य बनने के पश्चात भविष्य की क्षमता को देखते हुए 200 से अधिक विधायकों के बैठने का समायोजन किया गया है। वर्तमान सदस्यों की संख्या 90 है।

विधानसभा सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा के तीन हैं। जिनमें सचिवालय सभाकक्षा, विंग बी सदन में 200 विधायकों की बैठने की क्षमता है। जिसमें नेता प्रतिपक्ष एवं कार्यालय स्थित है, जहां 220 व्यक्तियों क्षमता वाला दर्शकदीर्घा एवं 100 व्यक्तियों की क्षमता वाला मीडियादीर्घा बनाया गया है। यहां पर एक वातानुलित संयंत्र बनाया गया है।

विंग-सी (मंत्रीगण कक्ष)

विंग-सी के अपर ग्राउण्ड फ्लोर में मंत्रीगण के लिए 24 कक्ष, 2 समिति कक्ष एवं 1 केबिनेट हॉल स्थित है। लोवर ग्राउण्ड फ्लोर में एलोपैथक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, बैंक, पोस्ट आफिस, रेलवे रिजर्वेशन काउंटर, कैन्टीन आदि के लिए भी कक्षों का निर्माण किया गया है। मंच पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. मृत्युंजय भाई भी मौजूद रहे। ओम शांति के सम्बोधन के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपने स्वयं को ही नहीं बल्कि विश्व और ब्रह्मांड को शांति के प्रयासों से जोड़ा है।

नया रायपुर में सख्त सुरक्षा व्यवस्था : आयोजन स्थल में जाने वाले होते रहे परेशान

एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को पुराना माना बस्ती से होकर जाना पड़ा

मीडियाकर्मियों को कवरेज को लेकर हुई अनेक परेशानियां

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन पर आज राजधानीवासियों और नया रायपुर तथा इससे लगे ग्रामीण क्षेत्रों, मीडियाकर्मियों तथा बाहर से आए विधायक एवं पूर्व कार्यकर्ताओं को विधानसभा सहित अन्य स्थानों में जाने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ा।

सत्यसाई अस्पताल में बच्चों से मिले प्रधानमंत्री

नया रायपुर अटलनगर में सुरक्षा के कारण सभी प्रमुख मार्ग आज बंद कर दिए गए थे। प्रधानमंत्री आज अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आए। वे एयरपोर्ट से सीधे सत्यसाई अस्पताल चले गए, इसके चलते राजधानी की ओर जाने वाला रास्ता आमलोगों के लिए बंद कर दिया गया। समाचार संकलन के लिए आए मीडियाकर्मियों, विधायकों, पूर्व विधायकों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं को माना के रास्ते भेजा गया लेकिन राज्योत्सव स्थल की ओर जाने वाला मार्ग भी बंद कर दिया गया। जिसके कारण माना बस्ती, बरोदा से होकर लोगों को जाना पड़ा। इस भूलभुलैय्या के कारण लोगों को काफी तकलीफ हुई। नए विधानसभा भवन जाने वाले लोगों को काफी घुमकर जाना पड़ा। प्रजापति ब्रम्हकुमारी के सदस्यों के लिए प्रातः 6 बजे से ही बस विभिन्न सेंटरों के खड़ी कर दी गई थी। जिसके चलते वे यहां पहुंचने में सक्षम हुए।

राज्योत्सव स्थल जाने के लिए कार्यकर्ताओं को एक्सप्रेस वे से आना पड़ा। रायपुर नगर के विधायक एवं पार्षदों के लिए अलग अलग मोहलों में गाड़ियां भिजवा दी गई थी ताकि कार्यकर्ता आसानी से आ सके।

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती अवसर पर पधारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज सत्यसाई हास्पीटल पहुंचे। यहां पर उन्होंने बाल हृदय रोगों का सफल आपरेशन कराने वाले बच्चों से मुलाकात की। इस अवसर पर क्रिकेटर सुनील गावस्कर सहित अन्य साईं संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों के साथ प्रधानमंत्री ने मन की बात साझा की।

प्रधानमंत्री आज अपने निर्धारित समय पर पहुंचे, यहां पर उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से यहां पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के सभी मार्गों को बंद कर दिया गया था जिसके चलते सभी को काफी परेशानी हुई।

खाने के लिए भटकते रहे लोग

विधानसभा के भवन लोकार्पण समारोह के पश्चात कार्यकर्ताओं एवं विधायकों को एक कुपन दिया गया। जिसमे स्थान बस स्टैण्ड कुहेरा दिया गया लेकिन कार्यकर्ता वहां नहीं जा पाए।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी शुभकामनाएं

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 2000 को आरम्भ हुई छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा ने 25 वर्षों में समृद्धि, अवसर और गौरव के नए आयाम स्थापित किए हैं।

मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि प्रदेशवासियों की मेहनत, परिश्रम और संस्कारों ने छत्तीसगढ़ को अवसर, नवाचार और संस्कृति का प्रतीक बना दिया है। आइए, हम अपनी परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को सहेजते हुए एक विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लें। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने पिछले 25 वर्षों में कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।

प्रतिबंधित कैप्सूल के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर । सिविल लाइन पुलिस ने दुर्गा नगर केनाल रोड में दबिश देकर नशीली कैप्सूल के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कूटी व नशीली कैप्सूल को जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दुर्गा नगर केनाल रोड में एक बिना नंबर की स्कूटी को रोककर तलाशी लिए तो डिक्की से नशीली कैप्सूल 216 नग मिला। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

आदिवासी पालकों ने स्कूल के सभी बच्चों के लिये अंग्रेजी डिक्शनरी की व्यवस्था की

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कलेक्टर रोहित व्यास ने दिलाई एकता व अखंडता की शपथ

धमतरी। आदिवासी अंचल में स्थित माध्यमिक शाला सेजेस सिंगपुर के आदिवासी पालकों ने स्कूल में अध्ययनरत बच्चों के लिए अंग्रेजी डिक्शनरी की व्यवस्था की है। पालक चाहते हैं कि उनके बच्चों को भी अंग्रेजी का ज्ञान हो। आज चहुँ ओर अंग्रेजी का बोलबाला है। इस स्थिति में बच्चों को अंग्रेजी की जानकारी होनी चाहिए। इस बात को ध्यान में रखकर शिक्षकों के प्रस्ताव को पालकों ने स्वीकार कर अपने बच्चों के लिये अंग्रेजी डिक्शनरी की व्यवस्था की है। अब विद्यालय में इस डिक्शनरी का नियमित उपयोग हो रहा है। बच्चे प्रतिदिन नए नए शब्दों को लिखकर लाते हैं। प्रार्थना तथा कक्षा में सीखे हुए नए नए शब्दों का उच्चारण एवम अर्थ सभी के समक्ष रखते हैं। विद्यालय में अंग्रेजी का अध्यापन करने वाले योगेश साहू ने कहा है कि डिक्शनरी के आ जाने से बच्चों के शब्द भंडार में वृद्धि हो रही है। शब्द भंडार के बाद बच्चों को स्पोकन इंग्लिश भी सिखाया जाएगा। इधर सेजेस सिंगपुर के प्राचार्य एवम सभी शिक्षकों ने पालकों के पहल की सराहना की है।

जशपुरनगर । देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आज राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास ने जिला कार्यालय परिसर में समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में अधिकारियों-कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए स्वयं को समर्पित करने तथा देशवासियों के बीच एकता का संदेश फैलाने की शपथ ली। इस दौरान अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी व निष्ठा से योगदान देने का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

देश का विकास के मंत्र पर चलते हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे

विश्व शांति की अवधारणा भारत के मौलिक

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आने वाले समय में ब्रम्हकुमारीज विश्व शांति के प्रयासों का प्रमुख केन्द्र होगा। उन्होंने नया रायपुर शांति शिखर आडिटोरियम में कहा कि अध्यात्म, विश्वशांति, पर्यावरण, संस्कृति से जुड़े अनुभवों को भी साझा किया।

आज नया रायपुर के कयाबांधा के सेक्टर 20 में प्रजापिता ब्रम्हकुमारीज संस्थान में शांति शिखर एकेडमी फॉर वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर को समाज के नाम समर्पित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ध्यान लगाया। उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राज्यपाल, मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष तथा संस्थान की मुख्य प्रशासिका राज्य योगिनी दीदी एवं महासचिव राजयोगी मृत्युंजय भाई उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि हमेशा अनुभव किया है, ब्रह्माकुमारी संस्थान में शब्द कम और सेवा ज्यादा है। मैं शांति शिखर की संकल्पना में दादी जानकी जी के विचारों को साकार होते हुए देख रहा हूं। राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्था की अहम भूमिका है। मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को वटवृक्ष की तरह विशाल होते देखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां कहा जाता है आचार्य परमोधर्मः, आचार्य परमोतपं, आचार्य परमज्ञानमं, आचार्य किं साध्यते अर्थात आचरण ही सबसे बड़ा धर्म है, आचरण ही सबसे बड़ा तप है और आचरण ही सबसे बड़ा ज्ञान है। आचरण से क्या कुछ सिद्ध नहीं हो सकता है। बदलाव तब होता है जब अपने कथन को करनी में उतारा जाए और यही ब्रह्माकुमारी संस्था की आध्यात्मिक शक्ति का स्त्रोत है। जहां हर बहन पहले कठोर तप और साधना में खुद को तपाती है। समाज को सशक्त करने में ब्रह्माकुमारी जैसे संस्थाओं की अहम भूमिका है।ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरा तो सौभाग्य रहा है कि मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं यहां अतिथि नहीं हूं मैं आपका ही हूं। इस संस्थान से मेरा अपनापन है। खासकर जानकी दीदी का स्नेह, राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी का मार्गदर्शन यह मेरी जीवन की विशेष स्मृतियों का हिस्सा है। मैं बहुत भाग्यवान रहा हूं। वर्ष 2011 में अहमदाबाद में फ्यूचर ऑफ पावर कार्यक्रम हो, वर्ष 2012 में संस्था की स्थापना के 75 वर्ष हो या वर्ष 2013 में प्रयागराज के कार्यक्रम हो, आबू जाना हो या गुजरात में किसी कार्यक्रम में जाना हो यह तो बहुत रुटीन सा हो गया था। दिल्ली आने के बाद भी आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़ा अभियान हो, स्वच्छ भारत अभियान या जल जन अभियान इन सबसे जुड़ने का मौका हो, मैं जब भी आपके बीच आया हूं।

स्वर्ग की तरह दमक उठेगा नारायणपुर और केदार का धाम नारायणपुर

शहर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 6.98 करोड़ की गौरव पथ परियोजना को मंजूरी

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और बस्तर की माटी के लाल वन मंत्री केदार कश्यप की पहल पर बस्तर संभाग के गांव और शहर तेजी से विकास कर रहे हैं और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो रहे हैं।नक्सल समस्या के विनाश के साथ ही संभाग में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। इसी कड़ी में नारायण के पुर यानि नगर और केदार के धाम नारायणपुर को भी सजाने संवारने की बड़ी पहल हुई है। इसके लिए राज्य शासन के करीब सात करोड़ रुपयों की मंजूरी दी है। व्यक्ति जिस माटी में जन्म लेता है, वह माटी उस व्यक्ति के लिए चारों धाम के सामान होती है, क्योंकि उस धरती पर उसके माता पिता के भी चरण रज मिले होते हैं। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप भी इसी नारायणपुर क्षेत्र की पावन माटी में पैदा हुए हैं और नारायणपुर क्षेत्र से ही विधायक चुने गए हैं।नारायणपुर उनके लिए तीर्थधाम के तुल्य है। अपनी माटी की सेवा करने में मंत्री केदार कश्यप हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में नारायणपुर नगर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए शासन ने 6 करोड़ 98 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से पंकज वैरायटी चौक से पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक आधुनिक सड़क गौरव पथ का निर्माण होगा की। यह गौरव पथ परियोजना मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा छत्तीसगढ़ शासन में केबिनेट मंत्री एवं नारायणपुर के विधायक केदार कश्यप के प्रयासों से संभव हो पाई है।इस बड़ी सौगात पर वन मंत्री केदार कश्यप बोले- विकास और सुंदरता की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा- यह गौरव पथ नारायणपुर नगर की नई पहचान बनेगा। यह केवल सड़क नहीं, बल्कि शहर के विकास, यातायात व्यवस्था और सौंदर्यीकरण का प्रतीक होगा। हमारी सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है और यह परियोजना उसीजनकल्याणकारी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बस्तर अंचल के हर नगर को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त किया जाए।

अपनी कर्मठता और दृढ़ इच्छाशक्ति से लौह पुरुष बने सरदार पटेल : मुख्यमंत्री साय

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री: स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का किया सम्मान

सभी संभागीय मुख्यालयों में स्थापित की जाएगी सरदार पटेल की भव्य प्रतिमा

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 'रन फॉर यूनिटी' सहित विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

रायपुर । देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल अपनी कर्मठता और दृढ़ इच्छाशक्ति से लौहपुरुष बने। आज़ादी के बाद के कठिन हालातों में उन्होंने अपनी सूझबूझ और फैलादी इरादों से 562 रियासतों का भारत में विलय कर अखंड भारत का निर्माण किया। किसानों के संघर्ष और स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान अमूल्य रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में यह बात कही। यह कार्यक्रम खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब तथा विधायक राजेश मूणत उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनके महान योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने अपनी विराट सोच और अटूट इच्छाशक्ति से टुकड़ों में बंटी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया। सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और समर्पण का प्रतीक है। उनकी 150वीं जयंती पर आज पूरे देश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गुजरात के केवड़िया में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य को भी आमंत्रित किया गया है, जहाँ राज्य का विशेष स्टॉल भी लगाया गया है। उन्होंने कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' केवल देश की एकता और अखंडता का प्रतीक नहीं

है, बल्कि यह फिटनेस और सामूहिक ऊर्जा का भी संदेश देता है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की आज़ादी और किसानों के अधिकारों के लिए ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध कठोर संघर्ष किया। उनके योगदान को रेखांकित करने के लिए ही उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को साकार किया।उप मुख्यमंत्री साव ने घोषणा की कि राज्य के सभी संभागीय मुख्यालयों में सरदार पटेल की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इसके लिए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संबंधित नगरीय निकायों को 50-50 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए रंगोली और चित्रों का अवलोकन किया तथा उपस्थित जनों को स्वदेशी अपनाने और भारत में निर्मित वस्तुओं के उपयोग की शपथ दिलाई।राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा रन फॉर यूनिटी के साथ ही महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए रंगोली, चित्रकला, भाषण एवं काव्य पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।मुख्यमंत्री श्री साय ने रंगोली, चित्रकला, भाषण और काव्य पाठ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया तथा रन फॉर यूनिटी के प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने 'बस्तर ओलंपिक' के प्रचार रथ को भी हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने की बच्चों के साथ दिल की बात, दिखा अलग स्नेह

रायपुर। छत्तीसगढ़ दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नवा रायपुर अटल नगर स्थित सत्य साई संजीवनी अस्पताल में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान, उन्होंने दिल की बात कार्यक्रम के तहत दिल की बीमारी से जूझने वाले और सफल इलाज करा चुके बच्चों से मुलाकात की। कार्यक्रम में पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान श्रीसत्य साई बाबा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद, उन्होंने हृदय रोग से स्वस्थ हुए बच्चों को प्रमाण पत्र प्रदान किया और चंदिल की बात कार्यक्रम के दौरान उनसे संवाद किया। अब तक अस्पताल में 2500 बच्चों का सफल इलाज हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान बच्चों में खासा उत्साह दिखाई दिया। पीएम मोदी भी प्रसन्न थे और बच्चों के साथ उनका एक अलग स्नेह नजर आया।

इसके कार्यक्रम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवा रायपुर में ब्रह्माकुमारी के शांति शिखर का उद्घाटन किया, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है।उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत विशेष है। आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ़ के साथ ही झारखंड और उत्तराखंड के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। आज देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मैं इन सभी राज्यों के निवासियों को स्थापना दिवस की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।अपने उद्घाटन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास से देश का विकास के मंत्र पर चलते हुए हम भारत को विकसित बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकसित भारत की इस अहम यात्रा में ब्रह्माकुमारी जैसी संस्था की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं बीते कई दशकों से आप सबके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन के विस्तार को देखा है।पीएम मोदी ने कहा, मैंने इस आध्यात्मिक आंदोलन को वटवृक्ष की तरह विस्तार लेते हुए देखा है। 2011 में अहमदाबाद में फ्यूचर ऑफ पावर कार्यक्रम, 2012 में संस्था की स्थापना के 75 वर्ष, 2013 में प्रयागराज का कार्यक्रम, आबू जाना हो या गुजरात के कार्यक्रमों में जाना मेरे लिए रूटीन-सा हो गया था।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन मिशन मीठी क्रांति का आगमन : बेहतर भारत का संकेत

पीआईबी

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन यानी एनबीएचएम एक केंद्र प्रायोजित योजना है।इसे भारत सरकार ने देश में मधुमक्खी पालन को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा देकर गुणवत्ता परक शहद और मधुमक्खी उत्पादन के अन्य उत्पादों को प्रोत्साहित करना था। राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा क्रियान्वित यह योजना आत्मनिर्भर भारत के बैनर पर 500 करोड़ की लागत पर चलाई जा रही है। वर्ष 2020-21 से शुरू इस योजना को पहले तीन साल के लिए लाया गया पर पूरा बजट नहीं खर्चने की वजह से इसकी मियाद तीन साल और बढ़ा दी गयी।

मधुमक्खी पालन एक कृषि जनित गतिविधि है जो आम तौर पर गांवों में किसानों और भूमिहीन श्रमिकों की समन्वित कृषि गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कई पौधों में परागन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है जिस्मे फसल उत्पादन और किसानो की आमदनी बढ़ाने में सहायता मिलती है। इस कार्य से कई मूल्य वर्धित मधुमक्खी उत्पाद जिसमे मोम, मधु मक्खी पराग कण, प्रोपोलिस नामक पौधे, रॉयल जेली, बी वेनम इत्यादि के उत्पादन के जरिये किसानों की आजीविका के श्रोत और आमदनी बढ़ती है।

समन्वित खेती और सघन कृषि एक सामान्य और व्यापक शब्द है जिसके जरिया मौजूदा पारम्परिक तरीके की एक फसली खेती के बजाये एक बहुफसली व समन्वित खेती को अंजाम दिया जाता है। इसका मतलब एक ऐसी कृषि प्रणाली से है जिसमे पशुपालन , मछली उत्पादन, अनाज उत्पादन और बागवानी कृषि सभी समाहित है।

भारत की विभिन्नताओं से भरी कृषि जलवायु परिस्थितियों में मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन और इसके निर्यात की व्यापक क्षमता है। ग्रामीण विकास और सतत कृषि में इसके महत्त्व को समझ कर ही भारत सरकार ने एक नयी मीठी क्रांति अभियान के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन की शुरुआत की। यह एक महत्वाकांक्षी पहल है जिससे देश में गुणवत्तापरक शहद के उत्पादन के साथ किसानों की आमदनी वैज्ञानिक और संगठित तरीके से मधुपालन के जरिये बढे।

राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन की उप योजनाएं

राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन यानी एनबीएचएम का क्रियान्यवन तीन मिनी मिशन एमएम 1 एमएम 2 और एमएम 3

मिनी मिशन 1- इसके अंतर्गत वैज्ञानिक मधु पालन के तहत परागन क्रिया के जरिये विभिन्न फसलों का उत्पादन और उसकी उत्पादकता उन्नयन पर जोर दिया जाता है।

मिनी मिशन 2- यह मिशन मधुमक्खी पालन से जुड़े उत्पादों के आगम के उपरांत के प्रबंधन कार्य मसलन शहद संग्रहण, प्रसंस्करण, भण्डारण, विपणन और मूल्य वर्धन के लिए सभी जरुरी बुनियादी सुविधाओं को मुहैया करता है।

मिनी मिशन 3-यह मिशन देश के सभी क्षेत्रो के कृषि जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल तरह तरह के शोध व विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

एनबीएचएम का उद्देश्य एनबीएचएम का मुख्य उद्देश्य है किसानो की आमदनी और रोजगार की बढ़ोत्तरी के लिए मधुमक्खी पालन उद्योग का संपूर्ण विकास, खेतिहर और गैर खेतिहर परिवारों को आजीविका मुहैया करना और खेती व बागवानी के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है।

अतिरिक्त बुनियादी सुविधाओं को विकसित कर मधुमक्खियों का एक क्वालिटी न्यूक्लियस स्टॉक बनाना है, फिर इस स्टॉक को कई गुना और बढ़ाकर शहद निकालने के उपरांत की गतिविधियों मसलन शहद प्रसंस्करण प्लांट, भंडारण, शीतायन, संग्रहण, ब्रांडिंग और विपणन की बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है।

इसके अलावा शहद उत्पादन वाले जिलों और प्रान्तों में सभी तरह के आधुनिक

गुणवत्ता नियंत्रण लैब स्थापित करना जिससे सभी शहद उत्पादों की शुद्धता की जांच हो।

शहद और मधुमक्खी उत्पादों के ब्लॉकचेन और पहचान प्रणाली के जरिए इनके उत्पादन श्रोतों तथा ऑनलाइन पंजीकरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करना।

सभी शहद उत्पादन की संभावना वाले क्षेत्रों में शहद कॉरिडोर विकसित करना;

कृषि उद्यमी तथा कृषि स्टार्टअप को शहद उत्पादन गतिविधियों से जोड़ना,

शहद उत्पादन प्रसंस्करण और शहद व्यापारियों व निर्यातकों के बीच व्यापार समझौता कराना;

मधुमक्खी पालन उद्योग में अद्यतन तकनीकों को अपनाने का प्रोत्साहन, उसका विकास और इस्तेमाल तथा कौशल विकास जिससे उच्च गुणवत्ता वाले शहद और कृषि उद्यमी तथा कृषि स्टार्टअप को शहद उत्पादन गतिविधियों से जोड़ना, अन्य मधुमक्खी उत्पादों का उत्पादन बढ़ाया जा सके।;

मधुमक्खी पालन के जरिए नारी सशक्तिकरण;

मधुमक्खी पालन के जरिये कृषि क्षेत्र का विविधीकरण आर्थिक सामाजिक और पर्यावरणीय लाभ को अधिकतम बनाने में सहायक होता है। इससे घरेलू और निर्यात बाजार में उच्च गुणवत्ता वाली शहद और अन्य उत्पादों के व्यापार से मधुमक्खी पालकों को अपना कारोबार विस्तृत करने का मौका मिला है।

कई महिलाएं अपनी स्व सहायता समूहों, किसान उत्पादक संघों, मधुमक्खी सहकारिता समूहों और समिति के गठन के जरिये अपना संस्थागत विस्तार करने में सहायता मिली है।

एनबीएचएम की उपलब्धियां

वर्ष 2024 के जनवरी से दिसम्बर माह के दौरान भारत में करीब 1.4 लाख मीट्रिक टन प्राकृतिक शहद का उत्पादन हुआ। इसके अलावा सरकार ने एनबीएचएम अभियान को त्वरण प्रदान करने के लिए और भी कई प्रयास किये है।: इसके अंतर्गत 6 विश्वस्तरीय शहद जाँच केंद्र स्थापित किये गए है, इसके आलावा 47 मिनी शहद जाँच लैब, 6 मधुमक्खी बीमारी जाँच लैब, 8 कस्टम हायरिंग केंद्र, 26 शहद प्रसंस्करण इकाई, 12 मधुमक्खी पालन उपकरण इकाई, 18 संग्रहण ब्रांडिंग और विपणन इकाई, 10 पैकेजिंग व शीतायन केंद्र, ये सभी एनबीएचएम अभियान के तहत मार्च 2025 तक स्वीकृत किये गए हैं।

तुलसी विवाह एवं छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

राजनांदगांव। आज तुलसी विवाह एवं छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर सिन्हा परिवार द्वारा विधिविधान से तुलसी विवाह की पूजा-अर्चना की गई। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार तुलसी माता का श्रृंगार किया गया और भगवान शालिग्राम से उनका विवाह संपन्न कराया गया।

पूजा-अर्चना के पश्चात छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपरा और गौरवशाली इतिहास को याद किया गया। परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं और प्रदेश की खुशहाली व उन्नति की कामना की।

इस अवसर पर घरों की सुंदर साज-सज्जा की गई तथा पूरे परिसर को दूधिया रोशनी से नहलाया गया, जिससे वातावरण अत्यंत भव्य और आध्यात्मिक बना रहा। सिन्हा परिवार ने बताया कि तुलसी विवाह और छत्तीसगढ़ दिवस दोनों पर्व एक साथ आने से इस वर्ष का आयोजन विशेष और यादगार बन गया।इस अवसर पर अंगेश्वर सिन्हा ,खुमेशवरी सिन्हा सृष्टि सिन्हा, विवेक सिन्हा, टुकेंद्र सिंहा, हेमलता सिन्हा,अनुराग सिन्हा,अंजलि सिन्हा, भुनेश्वरी सिन्हा सहित सभी ने देव उठनी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम (केरल) में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में सुगमता पर आठवीं क्षेत्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया

पीआईबी

नीति आयोग द्वारा 30-31 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एनसीईएसएस), तिरुवनंतपुरम में ''अनुसंधान और विकास में सुगमता'' पर 8वीं क्षेत्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। परामर्श में भारत के अनुसंधान और विकास इकोसिस?टम को सुदृढ़ बनाने और विचार-विमर्श करने के लिए संस्थागत नेताओं, कुलपतियों और वैज्ञानिक मंत्रालय/विभागों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आया।

एनसीईएसएस के निदेशक प्रो. एनवी चलपति राव के स्वागत भाषण से सत्र की शुरुआत हुई, जिन्होंने वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए एक अनुकूल वातावरण के महत्व को रेखांकित किया और नवाचार-आधारित विकास को गति देने में क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। नीति आयोग के प्रो. विवेक कुमार सिंह ने बैठक के बारे में जानकारी दी और नीति आयोग की अनुसंधान एवं विकास सुगमता पहल के मार्गदर्शक दृष्टिकोण के रूप में आरओपीई फ्रेमवर्क - बाधाओं को दूर करना, सक्षमताओं को बढ़ावा देना ङ्क पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य शोधकर्ताओं के सामने आने वाली संस्थागत और नीति-स्तरीय चुनौतियों को रेखांकित करना और साथ ही वैज्ञानिक प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु आसान, अंतर-एजेंसी सहयोग और क्षमता विकास जैसे सहायक तकनीकी को बढ़ावा देना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव, डॉ. एम. रविचंद्रन ने अनुसंधान की दक्षता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ठोस सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने सेवानिवृत्त वैज्ञानिक प्रतिभा के अनुभव का उपयोग करने, विश्वविद्यालय-उद्योग-सरकार (यूआईजी) इकोसिस?टम को सुदृढ़ करने, संस्थानों के बीच डेटा साझाकरण को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिक संचार को बेहतर बनाकर अनुसंधान के परिणामों को समाज के लिए अधिक प्रासंगिक और समझने योग्य बनाने पर बल दिया। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर डाला कि अनुसंधान एवं विकास में दो आसान महत्वपूर्ण तत्वों, आंतरिक और बाह्य कारकों पर निर्भर करती है। जहां आंतरिक कारक अनुसंधान संस्थानों की संरचना, प्रशासन और कार्यप्रणाली से संबंधित हैं, वहीं बाह्य कारक नियामक बाधाओं, वित्तपोषण तंत्र और विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन?वय जैसे तत?वों को शामिल करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुसंधान और नवाचार में वैश्विक अग्रणी बनने के भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए दोनों आयामों पर एक साथ ध्यान देना जरूरी है।

इस बैठक में केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ''अनुसंधान एवं विकास में सुगमता'' नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के व्यापक लक्ष्य से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जन-केंद्रित विकास के साथ जोड़ा जाना चाहिए, और संस्थानों, उद्योगों और सरकारों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण समावेशी विकास की कुंजी है।

भारत अनादि काल से ज्ञान की भूमि रही है : उपराष्ट्रपति

पुस्तकालय भारत के शिक्षा और ज्ञान के शाश्वत सभ्यतागत लोकाचार को प्रतिबिंबित करते हैं : उपराष्ट्रपति

डिजिटल युग में, गलत सूचनाओं के बीच पुस्तकालय विश्वसनीय मार्गदर्शक हैं: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने डिजिटल साक्षरता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया

केरल के 80 वर्षीय पुस्तकालय आंदोलन और पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन के दृष्टिकोण की प्रशंसा की

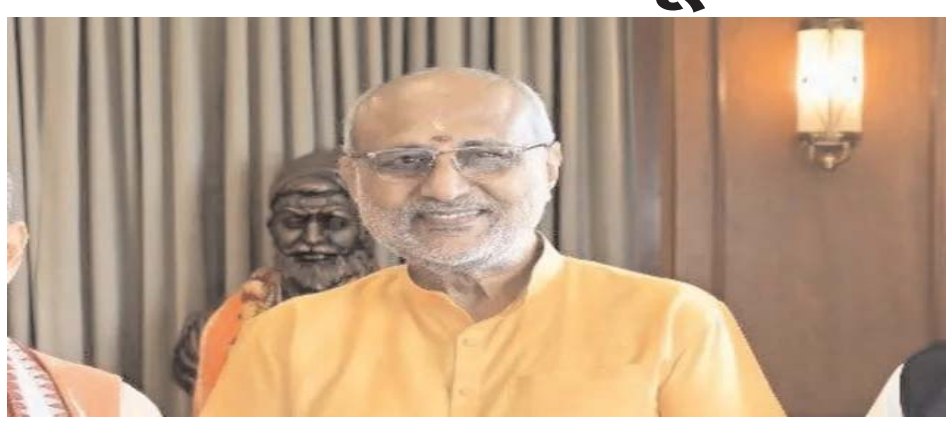

पीआईबी। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज एक वीडियो संदेश के माध्यम से तिरुवनंतपुरम के कनकक्कुन्नु पैलेस में पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन द्वारा आयोजित ÷पुस्तकालय समुदायों को सशक्त बनाते हैं - वैश्विक परिप्रेक्ष्य÷ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। यह आयोजन केरल में संगठित पुस्तकालय आंदोलन के 80वें वर्ष का प्रतीक है, जो भारत के पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन के अग्रदूत माने जाने वाले श्री पी.एन. पणिक्कर के विजन से प्रेरित है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में ज्ञान प्रसार के माध्यम से पठन संस्कृति, डिजिटल साक्षरता और सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में निरंतर योगदान के लिए पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का आदर्श वाक्य ङ्क ''वैचु वलारुका'' (पढ़ो और बढ़ो) - समाज को ज्ञान और समावेश की दिशा में लगातार मार्गदर्शन करता रहता है।

श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने पुस्तकालयों को शिक्षा के मंदिर के रूप में सराहा और उन्हें ऐसे स्थान के रूप में वर्णित किया जो महत्वपूर्ण सोच का पोषण करते हैं और व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री आदि शंकराचार्य ने आध्यात्मिक चेतना जागृत करने और विविध विचारों को एकीकृत करने के लिए पूरे भारत का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि अनगिनत अन्य ऋषियों और विचारकों ने अपने ज्ञान, करुणा और दूरदर्शिता से हमारी सभ्यता को समृद्ध किया है।

भारत की प्राचीन सभ्यतागत प्रकृति पर विचार करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की शिक्षा की परंपरा - महाकाव्यों से लेकर आधुनिक पुस्तकालयों तक - राष्ट्र को ज्ञान और सामाजिक प्रगति की खोज के लिए अग्रसर करती है।

श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने इस बात पर भी जोर दिया कि आज के डिजिटल युग में, पुस्तकालय ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं जो लोगों को प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने और गलत सूचनाओं का विरोध करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तकनीक सूचना तक आसान पहुंच प्रदान करती है, वहीं पुस्तकालय समाज में गहराई, चिंतन और सार्थक संवाद को बढ़ावा देते हैं।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में केरल की असाधारण विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने श्री पी.एन. पणिक्कर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदर्शिता ने पुस्तकालयों को जीवंत सामुदायिक केंद्रों में बदल दिया, जिससे पुस्तकें और शिक्षा प्रत्येक नागरिक के करीब पहुंची।

डीएलसी अभियान 4.0 के तहत 2,000 से अधिक शहरों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचने का लक्ष्य

पीआईबी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय 01 से 30 नवंबर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र(डीएलसी) अभियान 4.0 आयोजित करेगा। सरकार के पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के तहत यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जो डिजिटल इंडिया और ईज ऑफलिविंग मिशन के साथ जुड़ा हुआ है। डीएलसी अभियान 4.0 का उद्देश्य अधिकतम आउटरीच दृष्टिकोण के साथ 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचना है। इस अभियान में आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के उपयोग पर बल दिया जाएगा, जिससे पेंशनभोगियों को बायोमेट्रिक उपकरणों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा और वे स्मार्ट फोन द्वारा घर बैठे आसानी से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकेंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की डोरस्टेप डीएलसी सेवा के माध्यम से अति-वरिष्ठ और दिव्यांग पेंशनभोगियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम(24 नवंबर, 2024), संविधान दिवस संबोधन(26 नवंबर, 2024) में भी इस बात पर बल दिया कि डिजिटल भारत की नई पहलों जैसे डिजिटल प्रमाणपत्र ।

ओडिशा के भुवनेश्वर में हथकरघा एवं हस्तशिल्प 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ

विचार-विमर्श में आजीविका को मजबूत करने और विरासत को संरक्षित करने के लिए डिजाइन नवाचार, डिजिटल सशक्तिकरण और सहकारी संघवाद पर जोर दिया गया

पीआईबी

ओडिशा के भुवनेश्वर में आज हथकरघा एवं हस्तशिल्प 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें भारत के हस्तनिर्मित क्षेत्र को विकसित भारत 2047 के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में पुनः परिकल्पित करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) और विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालयों द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और क्षेत्र के विशेषज्ञ भारत के हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योगों के विकास के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण तैयार करने हेतु एक एकत्र हुए। विचार-विमर्श दो प्रमुख उद्देश्यों पर केन्द्रित रहाः हस्तनिर्मित अर्थव्यवस्था के वर्तमान परिदृश्य का आकलन करना तथा आगामी राष्ट्रीय योजना की रूपरेखा तैयार करना, जिसका उद्देश्य गहन राज्य भागीदारी, एकीकृत शासन और सतत क्षेत्रीय विकास है।

वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने आज सम्मेलन के दूसरे दिन की अध्यक्षता की, जिसमें ओडिशा की अपर मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त श्रीमती अनु गर्ग और ओडिशा सरकार की आयुक्त-सह-सचिव (हथकरघा, वस्त्र एवं हस्तशिल्प) श्रीमती पूनम गुहा तपस कुमार भी उपस्थित थीं।

अपने संबोधन में, सचिव (वस्त्र) श्रीमती नीलम शमी राव ने उत्पादकता बढ़ाने और कठिन परिश्रम को कम करने के लिए पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक उपकरणों के साथ संतुलित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सचिव ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) जैसे संस्थानों से बाजार चक्र से पहले डिजाइन और रंग के रुझान के पूर्वानुमान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। अंतर-राज्यीय समन्वय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने हस्तशिल्प क्षेत्र में कुशल आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के बीच कच्चे माल की निर्बाध आवाजाही का आह्वान किया। अपने संबोधन का समापन करते हुए उन्होंने कहा, हमें उसी इकोसिस्टम की रक्षा करनी चाहिए जिसे हम पोषित कर रहे हैं। चाहे हम इसे हथकरघा कहें या हस्तशिल्प, इसे हमारी अर्थव्यवस्था के एक गौण हिस्से के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए- यह वास्तव में भविष्य का प्रीमियम उत्पाद है। सचिव (वस्त्र) श्रीमती नीलम शमी राव ने यह भी कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच निरंतर संवाद सुनिश्चित करने, सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में परस्पर ज्ञान प्राप्त करने तथा हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों में की गई पहलों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए ऐसे सम्मेलन हर छह महीने में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप एक मजबूत, समावेशी और नवाचार-संचालित हस्तनिर्मित अर्थव्यवस्था के साझा दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए निरंतर समन्वय और आवधिक समीक्षा आवश्यक है। श्रीमती अनु गर्ग ने हथकरघा के सांस्कृतिक और पारिस्थितिक मूल्य को दोहराया तथा कोटपाड़ और डोंगरिया शॉल को टिकाऊ उदाहरण बताया।

संपादकीय

भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती गूगल का महा-निवेश

अमेरिका ने पेट्रोडॉलर समृद्ध पश्चिम एशियाई देशों के ऊर्जा एवं वित्त तथा भारत के टेक प्रशिक्षित मानव संसाधन को अपने एआई बौद्धिक संपदा से जोड़ कर इस नई तकनीक में खुद को अग्रणी बनाए रखने की बड़ी योजना बनाई है। गूगल भारत में आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस हब की स्थापना के लिए 15 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसके तहत विशाखापत्तनम में एक गिगावाट का डेटा सेंटर बनाया जाएगा। यह अमेरिका से बाहर एआई डेटा सेंटर बनाने की गूगल की योजना का हिस्सा है। इसके पहले माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन भी भारत में डेटा सेंटर बनाने का एलान कर चुकी हैं, हालांकि उनके प्रस्तावित निवेश का स्तर गूगल से काफी कम है। अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों में फिलहाल एआई में निवेश की होड़ लगी हुई है।

मैं, तेरे ख्याल से शर्मा जाता हूँ।

परछाइयों में तेरी रंग मिलाता हूँ,
तेरे एहसासों के संग बहा जाता हूँ।

तेरा एहसास बड़ा इंद्रधनुषी जानम,
तेरे ख्यालों में बीखर बिखर जाता हूँ

तेरे सांसों की खुशबू से इतर
कोई महक नहीं सह पाता हूँ ।

जाने कितने गुलशनों में भटकता रहा,
हसीन तुझसा फूल नहीं चुन पाता हूँ।

महकती आ जाओ कभी पहलू में,
सारी रतियाँ आंखों में गुजार जाता हूँ।

तेरे तस्सवुर से भीगा अभी तक
मैं, तेरे ख्याल से शर्मा जाता हूँ।

बंदीशें तो तुझ पर भी हैं बहुत पर मैं
हवा में तेरे नाम पैगाम लिख जाता हूँ।

तू मिल जाए तो सारा जहाँ अपना ,
बिना तुम्हारे मैं तनहा रह जाता हूँ।

तेरे ख्याल से भीगी रातें नहीं कटती
रातें करवटें बदलते रह जाता हूं।

तेरा संग न होना एक सजा ही है,
मुस्कुराकर ये सितम झेल जाता हूँ।
,
जब भी तेरा ज़िक्र होंठों पे आता है
मधु सा मीठा गीत गुनगुना पाता हूँ।

हर सांस में अपनें को खोजता संजीव
तेरी हर परछाई में भी समा जाता हूँ।

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra- Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

घोषणा-पत्र : लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फकागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फतीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

यह निजी विचार है।

सूखे नशे की गिरफ्त में दुनिया,भारत में नशे का आलम भयावह

संजीव ठाकुर, स्तंभकार,

महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था ÷युवक वही जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं।÷ आज वही संदेश पुनः प्रासंगिक है। आज भारत एक ऐसे गंभीर दौर से गुजर रहा है जहां आर्थिक, तकनीकी और वैचारिक प्रगति के समानांतर एक सामाजिक महामारी जन्म ले रही है ड्रग्स की। नशे की यह घातक लत हमारे युवा वर्ग को धीरे-धीरे विनाश की ओर ढकेल रही है। यह केवल स्वास्थ्य या सामाजिक समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नैतिकता और भविष्य की चेतना से जुड़ा संकट बन चुकी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (हृष्ट्रक्क) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में ड्रग्स से संबंधित अपराधों में पिछले पाँच वर्षों की तुलना में लगभग 37त्न की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, नशे के प्रभाव में किए गए बलात्कार, लूट, हत्या और हिंसक अपराधों की दर में भी लगातार वृद्धि देखी गई है। देश के महानगर–मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, पंजाब, हैदराबाद, कोलकाता और चेन्नई–इन अपराधों के सबसे बड़े केंद्र बन चुके हैं। मुंबई पुलिस की नारकोटिक्स इकाई ने केवल पिछले एक वर्ष में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं, जिनमें कोकीन, चरस, अफीम, हेरोइन और एमडी ड्रग्स जैसी घातक वस्तुएं शामिल हैं। मुंबई, गोवा और गुजरात की समुद्री सीमाएं अब ड्रग्स तस्करी के प्रमुख मार्ग बन चुकी हैं, जहाँ पाकिस्तान और अफग़ानिस्तान से लेकर म्यांमार तक का नेटवर्क सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (हृह्र्रष्ठष्ट) की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया में ड्रग्स का लगभग 30त्न अवैध कारोबार भारत के रास्ते से होता है, जो न केवल हमारी युवा पीढ़ी के लिए खतरा है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर भी चोट करता है।

नशे का सबसे भयावह पहलू यह है कि यह व्यक्ति की चेतना, विवेक और संवेदना को नष्ट कर देता है। एक बार यह लत लगने पर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली बदल जाती है और व्यक्ति अपराध करने में हिचकिचाता नहीं। अपराधशास्त्री डॉ. अरविंद नायर के शब्दों में, ÷ड्रग्स व्यक्ति से मनुष्यत्व छीन लेता है, और जब इंसान की संवेदना मर जाती है, तब समाज में अपराध जन्म लेता है।÷ यही कारण है कि नशे में धुत अपराधियों द्वारा किए गए बलात्कार, हत्या, लूट और सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए एक स्थायी भय बन चुकी हैं।

दूसरी ओर, कॉलेजों और स्कूलों में भी ड्रग्स ने अपनी जड़ें जमानी शुरू कर दी हैं। किशोरों में 'ड्राइ ड्रग्स' यानी सूखे नशे (स्रुष्ठ, रुस्रुष्ठ, कोकीन पाउडर आदि) का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से इन पदार्थों की बिक्री अब 'डिजिटल अपराध' का नया रूप बन चुकी है। राष्ट्रीय युवा सर्वेक्षण 2024 के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष की आयु के लगभग 12त्न युवा किसी न किसी रूप में नशे के संपर्क में हैं, और इनमें से 70त्न को यह आदत कॉलेज परिसर या मित्र मंडली से मिली। यह आँकड़ा न केवल चिंताजनक बल्कि आने वाले सामाजिक विघटन की चेतावनी भी है।

फिल्म उद्योग और ग्लैमर वर्ल्ड में भी ड्रग्स की पैठ ने समाज में एक खतरनाक आकर्षण पैदा किया है। सुशांत सिंह राजपूत प्रकरण के दौरान सामने आए मादक पदार्थ नेटवर्क ने पूरे देश को झकझोर दिया। इसने यह उजागर किया कि ड्रग्स की लत अब केवल समाज के निचले तबके तक सीमित नहीं, बल्कि उच्चवर्गीय समाज, कॉर्पोरेट पार्टियों, और आलीशान होटलों तक फैल चुकी है। वर्ष 2024 के नववर्ष की पूर्व संध्या पर केवल मुंबई और गोवा में लगभग 300 से अधिक ऐसी पार्टियों की पहचान पुलिस ने की, जहाँ सूखे नशे का सेवन किया जाना था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर इस विषय पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि ÷नशा समाज का नहीं, संकल्प का शत्रु है। इससे लड़ाई केवल कानून से नहीं, जनजागरूकता से जीती जाएगी।÷ वास्तव में, केवल पुलिस कार्रवाई या कानूनी सख्ती पर्याप्त नहीं है। समाज को इस बुराई के विरुद्ध सामूहिक चेतना के रूप में उठना होगा। नशे के विरुद्ध विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को जागरूकता की निरंतर पहल करनी होगी।

ड्रग्स तस्करी अब एक अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध बन चुकी है। अफग़ानिस्तान के 'गोल्डन क्रीसेंट' और म्यांमार-थाईलैंड के 'गोल्डन ट्रायंगल' से होकर आने वाला मादक पदार्थों का नेटवर्क भारतीय सीमा तक फैला हुआ है। सीमा सुरक्षा बल (क्चस्नस्न) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (हृष्टक्च) लगातार कार्रवाई कर रहे हैं, परंतु तस्कर अब डिजिटल मुद्रा, डार्क वेब और नकली व्यापारिक चैनलों के माध्यम से नये रास्ते बना रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नशे की आपूर्ति श्रृंखला को नष्ट नहीं किया गया, तो इसका असर भारत की उत्पादक शक्ति–यानी युवाओं–पर स्थायी चोट के समान होगा।

नशे का दूसरा भयानक आयाम ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में शराब और सस्ती दवाओं का दुरुपयोग है। गरीब वर्ग में यह लत आर्थिक, पारिवारिक और मानसिक विनाश का कारण बन रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में 40त्न परिवार ऐसे हैं जहाँ नशे की वजह से घरेलू हिंसा और आर्थिक क्षति बढ़ी है। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि मानव गरिमा और सामाजिक संतुलन का प्रश्न है।

आज आवश्यकता है एक समन्वित राष्ट्रीय नीति की, जो ड्रग्स की रोकथाम, पुनर्वास और जनशिक्षा तीनों मोर्चों पर एक साथ काम करे। नशे के शिकार युवाओं के लिए पुनर्वास केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए, स्कूल स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, और मीडिया में ऐसे अभियान चलाए जाएँ जो नशे को 'फैशन' नहीं बल्कि 'विनाश' के रूप में प्रस्तुत करें। महान साहित्यकार प्रेमचंद ने कहा था– ÷युवक वही जो अपनी ऊर्जा समाज के निर्माण में लगाए, विनाश में नहीं।÷ आज वही संदेश पुनः प्रासंगिक है।

निश्चित रूप से ड्रग्स का यह संकट केवल कानून का नहीं, बल्कि समाज की आत्मा का प्रश्न है। जब तक हर घर, हर विद्यालय, हर नागरिक यह संकल्प नहीं लेता कि नशे को अपने परिवेश से मिटाना है, तब तक यह लड़ाई अधूरी रहेगी। नशे के व्यापारियों को पहचानना, उन्हें कानून के शिकंजे में लाना और युवा चेतना को पुनः जाग्रत करना ही भारत के भविष्य की रक्षा का एकमात्र मार्ग है। नशा केवल शरीर को नहीं मारता–यह विवेक, मूल्य और भविष्य तीनों को नष्ट करता है। अतः अब समय है कि राष्ट्र समवेत स्वर में कहे–÷ड्रग्स मुक्त भारत ही सुरक्षित भारत है।÷

यह निजी विचार है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था के अनुरूप हों चुनावी घोषणाएँ

लेखक : प्रो. (डा.) मनमोहन प्रकाश

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि जनहित और नीति-निर्माण की दिशा तय करने का माध्यम होते हैं। जनता हर बार यह उम्मीद करती है कि जो भी दल सत्ता में आए, वह उसके जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाएगा। परंतु आज के परिदृश्य में चुनावी घोषणाएँ विकास के विज़न से अधिक लोकलुभावन प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुकी हैं। राजनीतिक दल एक-दूसरे से आगे बढ़ने के लिए ऐसे वादे करने लगे हैं जो प्रदेश की आर्थिक स्थिति और संसाधनों की सीमा से बहुत दूर हैं।

हर चुनाव में ÷मुफ्त बिजली÷, ÷गैस सिलेंडर÷, ÷बेरोजगारी भत्ता÷, ÷लैपटॉप÷, ÷यात्रा सुविधा÷ और यहाँ तक कि ÷नकद राशि÷ देने जैसी घोषणाएँ सुनने को मिलती हैं। ये वादे जनता को आकर्षित तो करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या राज्य की अर्थव्यवस्था इतने बोझ को वहन कर सकती है? अधिकांश राज्यों के बजट पहले से ही घाटे में हैं। ऐसे में अव्यवहारिक घोषणाएँ न केवल आर्थिक संतुलन बिगाड़ती हैं, बल्कि आने वाली सरकारों को कर्ज और वित्तीय संकट की ओर धकेल देती हैं।

राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि वादे केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि शासन की जवाबदेही का आधार होते हैं। जब कोई दल असंभव घोषणाएँ करता है, तो वह जनता के विश्वास के साथ-साथ राज्य की वित्तीय साख से भी खिलवाड़ करता है। अतः आवश्यक है कि चुनावी घोषणाएँ प्रदेश की अर्थव्यवस्था, बजट और राजस्व की वास्तविक स्थिति के अनुरूप हों।

इस दिशा में राजनीतिक दल, चुनाव आयोग और वित्तीय संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। चुनाव आयोग को निम्न प्रावधान लागू करने पर विचार करना चाहिए : (अ)प्रत्येक दल अपने घोषणापत्र के साथ आर्थिक व्यौरा प्रस्तुत करे, जिसमें बताया जाए कि वादों की पूर्ति के लिए धन कहाँ से आएगा। (ब)राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के एक निश्चित प्रतिशत से अधिक के आर्थिक भार वाले वादों को अस्वीकार्य घोषित किया जाए। (स) राजनैतिक दलों की सहमति से स्वतंत्र आर्थिक समीक्षा समिति गठित की जाए, जो चुनावी घोषणाओं की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करे और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। (द)असंभव या भ्रामक वादों पर दंडात्मक प्रावधान हो, ताकि राजनीतिक ईमानदारी बनी रहे। भारत की वित्तिय संस्थाएं तथा अर्थशास्त्री समय-समय पर ÷फ्रीबी कल्चर÷ को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। सभी का स्पष्ट मत है कि मुफ्त योजनाओं की अंधी दौड़ दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा है। ऐसे में वित्तीय अनुशासन को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना न केवल आवश्यक, बल्कि लोकतंत्र की सेहत के लिए अनिवार्य हो गया है। यदि राजनीतिक दल वास्तव में जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें चाहिए कि वे वादों की संख्या नहीं, गुणवत्ता बढ़ाएं। ऐसी घोषणाएँ करें जो शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जल, पर्यावरण और स्वावलंबन से जुड़ी हों तथा राज्य के विकास केन्द्रित हो। सभी को ध्यान रखना होगा कि मुफ्त की वस्तुएँ नहीं, बल्कि सृजन के अवसर देना ही सच्चा जनकल्याण है। ÷प्रदेश की अर्थव्यवस्था के अनुरूप घोषणाएँ÷ केवल एक नीति नहीं, बल्कि एक नैतिक प्रतिबद्धता होनी चाहिए। जब चुनावी वादे संसाधनों की वास्तविकता पर आधारित होंगे, तब न केवल शासन विश्वसनीय बनेगा, बल्कि लोकतंत्र भी अधिक परिपक्व होगा। निष्कर्ष रूप में मैं कहना चाहूंगा कि लोकतंत्र में घोषणाएँ आवश्यक हैं, परंतु वे तभी सार्थक हैं जब वे प्रदेश की आर्थिक सीमाओं में रहते हुए जनता के दीर्घकालिक हित को साधें।

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन मिशन मीठी क्रांति का आगमन : बेहतर भारत का संकेत

पीआईबी

राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन यानी एनबीएचएम एक केंद्र प्रायोजित योजना है।इसे भारत सरकार ने देश में मधुमक्खी पालन को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा देकर गुणवत्ता परक शहद और मधुमक्खी उत्पादन के अन्य उत्पादों को प्रोत्साहित करना था। राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा क्रियान्वित यह योजना आत्मनिर्भर भारत के बैनर पर 500 करोड़ की लागत पर चलाई जा रही है। वर्ष 2020-21 से शुरू इस योजना को पहले तीन साल के लिए लाया गया पर पूरा बजट नहीं खर्चने की वजह से इसकी मियाद तीन साल और बढ़ा दी गयी।

मधुमक्खी पालन एक कृषि जनित गतिविधि है जो आम तौर पर गांवों में किसानों और भूमिहीन श्रमिकों की समन्वित कृषि गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह कई पौधों में परागन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है जिस्मे फसल उत्पादन और किसानो की आमदनी बढ़ाने में सहायता मिलती है। इस कार्य से कई मूल्य वर्धित मधुमक्खी उत्पाद जिसमे मोम, मधु मक्खी पराग कण, प्रोपोलिस नामक पौधे, रॉयल जेली, बी वेनम इत्यादि के उत्पादन के जरिये किसानों की आजीविका के श्रोत और आमदनी बढ़ती है।

समन्वित खेती और सघन कृषि एक सामान्य और व्यापक शब्द है जिसके जरिया मौजूदा पारम्परिक तरीके की एक फसली खेती के बजाये एक बहुफसली व समन्वित खेती को अंजाम दिया जाता है। इसका मतलब एक ऐसी कृषि प्रणाली से है जिसमे पशुपालन , मछली उत्पादन, अनाज उत्पादन और बागवानी कृषि सभी समाहित है।

भारत की विभिन्नताओं से भरी कृषि जलवायु परिस्थितियों में मधुमक्खी पालन, शहद उत्पादन और इसके निर्यात की व्यापक क्षमता है। ग्रामीण विकास और सतत कृषि में इसके महत्त्व को समझ कर ही भारत सरकार ने एक नयी मीठी क्रांति अभियान के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन की शुरुआत की। यह एक महत्वाकांक्षी पहल है जिससे देश में गुणवत्तापरक शहद के उत्पादन के साथ किसानों की आमदनी वैज्ञानिक और संगठित तरीके से मधुपालन के जरिये बढे।

राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन की उप योजनाएं

राष्ट्रीय मधुमक्खी शहद मिशन यानी एनबीएचएम का क्रियान्यवन तीन मिनी मिशन एमएम 1 एमएम 2 और एमएम 3

मिनी मिशन 1- इसके अंतर्गत वैज्ञानिक मधु पालन के तहत परागन क्रिया के जरिये विभिन्न फसलों का उत्पादन और उसकी उत्पादकता उन्नयन पर जोर दिया जाता है।

मिनी मिशन 2- यह मिशन मधुमक्खी पालन से जुड़े उत्पादों के आगम के उपरांत के प्रबंधन कार्य मसलन शहद संग्रहण, प्रसंस्करण, भण्डारण, विपणन और मूल्य वर्धन के लिए सभी जरुरी बुनियादी सुविधाओं को मुहैया करता है।

मिनी मिशन 3-यह मिशन देश के सभी क्षेत्रो के कृषि जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल तरह तरह के शोध व विकास तथा प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित करता है।

एनबीएचएम का उद्देश्य एनबीएचएम का मुख्य उद्देश्य है किसानो की आमदनी और रोजगार की बढ़ोत्तरी के लिए मधुमक्खी पालन उद्योग का संपूर्ण विकास, खेतिहर और गैर खेतिहर परिवारों को आजीविका मुहैया करना और खेती व बागवानी के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है।

अतिरिक्त बुनियादी सुविधाओं को विकसित कर मधुमक्खियों का एक क्वालिटी न्यूक्लियस स्टॉक बनाना है, फिर इस स्टॉक को कई गुना और बढ़ाकर शहद निकालने के उपरांत की गतिविधियों मसलन शहद प्रसंस्करण प्लांट, भंडारण, शीतायन, संग्रहण, ब्रांडिंग और विपणन की बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना है।

इसके अलावा शहद उत्पादन वाले जिलों और प्रान्तों में सभी तरह के आधुनिक

गुणवत्ता नियंत्रण लैब स्थापित करना जिससे सभी शहद उत्पादों की शुद्धता की जांच हो।

शहद और मधुमक्खी उत्पादों के ब्लॉकचेन और पहचान प्रणाली के जरिए इनके उत्पादन श्रोतों तथा ऑनलाइन पंजीकरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करना।

सभी शहद उत्पादन की संभावना वाले क्षेत्रों में शहद कॉरिडोर विकसित करना;

कृषि उद्यमी तथा कृषि स्टार्टअप को शहद उत्पादन गतिविधियों से जोड़ना,

शहद उत्पादन प्रसंस्करण और शहद व्यापारियों व निर्यातकों के बीच व्यापार समझौता कराना;

मधुमक्खी पालन उद्योग में अद्यतन तकनीकों को अपनाने का प्रोत्साहन, उसका विकास और इस्तेमाल तथा कौशल विकास जिससे उच्च गुणवत्ता वाले शहद और कृषि उद्यमी तथा कृषि स्टार्टअप को शहद उत्पादन गतिविधियों से जोड़ना, अन्य मधुमक्खी उत्पादों का उत्पादन बढ़ाया जा सके।;

मधुमक्खी पालन के जरिए नारी सशक्तिकरण;

मधुमक्खी पालन के जरिये कृषि क्षेत्र का विविधीकरण आर्थिक सामाजिक और पर्यावरणीय लाभ को अधिकतम बनाने में सहायक होता है। इससे घरेलू और निर्यात बाजार में उच्च गुणवत्ता वाली शहद और अन्य उत्पादों के व्यापार से मधुमक्खी पालकों को अपना कारोबार विस्तृत करने का मौका मिला है।

कई महिलाएं अपनी स्व सहायता समूहों, किसान उत्पादक संघों, मधुमक्खी सहकारिता समूहों और समिति के गठन के जरिये अपना संस्थागत विस्तार करने में सहायता मिली है।

एनबीएचएम की उपलब्धियां

वर्ष 2024 के जनवरी से दिसम्बर माह के दौरान भारत में करीब 1.4 लाख मीट्रिक टन प्राकृतिक शहद का उत्पादन हुआ। इसके अलावा सरकार ने एनबीएचएम अभियान को त्वरण प्रदान करने के लिए और भी कई प्रयास किये है।: इसके अंतर्गत 6 विश्वस्तरीय शहद जाँच केंद्र स्थापित किये गए है, इसके आलावा 47 मिनी शहद जाँच लैब, 6 मधुमक्खी बीमारी जाँच लैब, 8 कस्टम हायरिंग केंद्र, 26 शहद प्रसंस्करण इकाई, 12 मधुमक्खी पालन उपकरण इकाई, 18 संग्रहण ब्रांडिंग और विपणन इकाई, 10 पैकेजिंग व शीतायन केंद्र, ये सभी एनबीएचएम अभियान के तहत मार्च 2025 तक स्वीकृत किये गए हैं।

तुलसी विवाह एवं छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

राजनांदगांव। आज तुलसी विवाह एवं छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर सिन्हा परिवार द्वारा विधिविधान से तुलसी विवाह की पूजा-अर्चना की गई। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार तुलसी माता का श्रृंगार किया गया और भगवान शालिग्राम से उनका विवाह संपन्न कराया गया।

पूजा-अर्चना के पश्चात छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोक परंपरा और गौरवशाली इतिहास को याद किया गया। परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं और प्रदेश की खुशहाली व उन्नति की कामना की।

इस अवसर पर घरों की सुंदर साज-सज्जा की गई तथा पूरे परिसर को दूधिया रोशनी से नहलाया गया, जिससे वातावरण अत्यंत भव्य और आध्यात्मिक बना रहा। सिन्हा परिवार ने बताया कि तुलसी विवाह और छत्तीसगढ़ दिवस दोनों पर्व एक साथ आने से इस वर्ष का आयोजन विशेष और यादगार बन गया।इस अवसर पर अंगेश्वर सिन्हा ,खुमेशवरी सिन्हा सृष्टि सिन्हा, विवेक सिन्हा, टुकेंद्र सिंहा, हेमलता सिन्हा,अनुराग सिन्हा,अंजलि सिन्हा, भुनेश्वरी सिन्हा सहित सभी ने देव उठनी पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया।

राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम (केरल) में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) में सुगमता पर आठवीं क्षेत्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया

पीआईबी

नीति आयोग द्वारा 30-31 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान अध्ययन केंद्र (एनसीईएसएस), तिरुवनंतपुरम में ''अनुसंधान और विकास में सुगमता'' पर 8वीं क्षेत्रीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। परामर्श में भारत के अनुसंधान और विकास इकोसिस?टम को सुदृढ़ बनाने और विचार-विमर्श करने के लिए संस्थागत नेताओं, कुलपतियों और वैज्ञानिक मंत्रालय/विभागों का एक प्रतिष्ठित समूह एक साथ आया।

एनसीईएसएस के निदेशक प्रो. एनवी चलपति राव के स्वागत भाषण से सत्र की शुरुआत हुई, जिन्होंने वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए एक अनुकूल वातावरण के महत्व को रेखांकित किया और नवाचार-आधारित विकास को गति देने में क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। नीति आयोग के प्रो. विवेक कुमार सिंह ने बैठक के बारे में जानकारी दी और नीति आयोग की अनुसंधान एवं विकास सुगमता पहल के मार्गदर्शक दृष्टिकोण के रूप में आरओपीई फ्रेमवर्क - बाधाओं को दूर करना, सक्षमताओं को बढ़ावा देना ङ्क पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि इस फ्रेमवर्क का उद्देश्य शोधकर्ताओं के सामने आने वाली संस्थागत और नीति-स्तरीय चुनौतियों को रेखांकित करना और साथ ही वैज्ञानिक प्रगति के लिए अनुकूल वातावरण बनाने हेतु आसान, अंतर-एजेंसी सहयोग और क्षमता विकास जैसे सहायक तकनीकी को बढ़ावा देना है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव, डॉ. एम. रविचंद्रन ने अनुसंधान की दक्षता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ठोस सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने सेवानिवृत्त वैज्ञानिक प्रतिभा के अनुभव का उपयोग करने, विश्वविद्यालय-उद्योग-सरकार (यूआईजी) इकोसिस?टम को सुदृढ़ करने, संस्थानों के बीच डेटा साझाकरण को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिक संचार को बेहतर बनाकर अनुसंधान के परिणामों को समाज के लिए अधिक प्रासंगिक और समझने योग्य बनाने पर बल दिया। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. सारस्वत ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर डाला कि अनुसंधान एवं विकास में दो आसान महत्वपूर्ण तत्वों, आंतरिक और बाह्य कारकों पर निर्भर करती है। जहां आंतरिक कारक अनुसंधान संस्थानों की संरचना, प्रशासन और कार्यप्रणाली से संबंधित हैं, वहीं बाह्य कारक नियामक बाधाओं, वित्तपोषण तंत्र और विभिन्न क्षेत्रों के बीच समन?वय जैसे तत?वों को शामिल करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अनुसंधान और नवाचार में वैश्विक अग्रणी बनने के भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए दोनों आयामों पर एक साथ ध्यान देना जरूरी है।

इस बैठक में केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर भी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ''अनुसंधान एवं विकास में सुगमता'' नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के व्यापक लक्ष्य से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जन-केंद्रित विकास के साथ जोड़ा जाना चाहिए, और संस्थानों, उद्योगों और सरकारों के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण समावेशी विकास की कुंजी है।

भारत अनादि काल से ज्ञान की भूमि रही है : उपराष्ट्रपति

पुस्तकालय भारत के शिक्षा और ज्ञान के शाश्वत सभ्यतागत लोकाचार को प्रतिबिंबित करते हैं : उपराष्ट्रपति

डिजिटल युग में, गलत सूचनाओं के बीच पुस्तकालय विश्वसनीय मार्गदर्शक हैं: उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने डिजिटल साक्षरता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देने में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया

केरल के 80 वर्षीय पुस्तकालय आंदोलन और पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन के दृष्टिकोण की प्रशंसा की

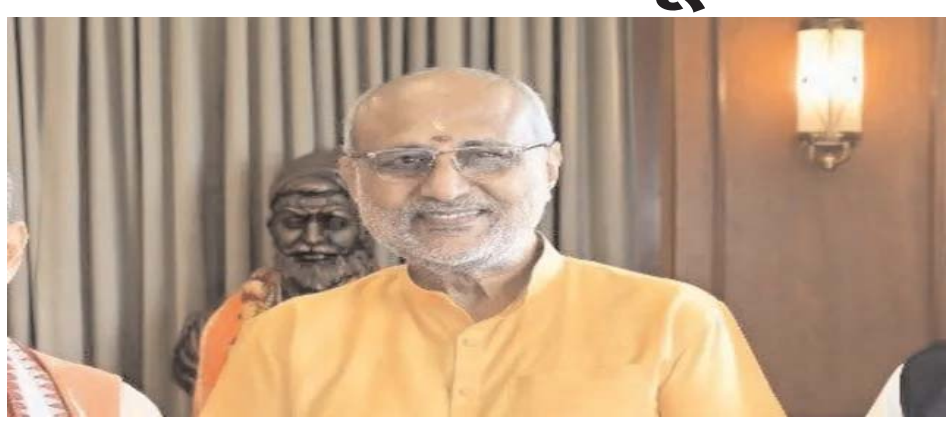

पीआईबी। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज एक वीडियो संदेश के माध्यम से तिरुवनंतपुरम के कनकक्कुन्नु पैलेस में पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन द्वारा आयोजित ÷पुस्तकालय समुदायों को सशक्त बनाते हैं - वैश्विक परिप्रेक्ष्य÷ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। यह आयोजन केरल में संगठित पुस्तकालय आंदोलन के 80वें वर्ष का प्रतीक है, जो भारत के पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन के अग्रदूत माने जाने वाले श्री पी.एन. पणिक्कर के विजन से प्रेरित है।

उपराष्ट्रपति ने अपने संदेश में ज्ञान प्रसार के माध्यम से पठन संस्कृति, डिजिटल साक्षरता और सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में निरंतर योगदान के लिए पी.एन. पणिक्कर फाउंडेशन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का आदर्श वाक्य ङ्क ''वैचु वलारुका'' (पढ़ो और बढ़ो) - समाज को ज्ञान और समावेश की दिशा में लगातार मार्गदर्शन करता रहता है।

श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने पुस्तकालयों को शिक्षा के मंदिर के रूप में सराहा और उन्हें ऐसे स्थान के रूप में वर्णित किया जो महत्वपूर्ण सोच का पोषण करते हैं और व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि श्री आदि शंकराचार्य ने आध्यात्मिक चेतना जागृत करने और विविध विचारों को एकीकृत करने के लिए पूरे भारत का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि अनगिनत अन्य ऋषियों और विचारकों ने अपने ज्ञान, करुणा और दूरदर्शिता से हमारी सभ्यता को समृद्ध किया है।

भारत की प्राचीन सभ्यतागत प्रकृति पर विचार करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की शिक्षा की परंपरा - महाकाव्यों से लेकर आधुनिक पुस्तकालयों तक - राष्ट्र को ज्ञान और सामाजिक प्रगति की खोज के लिए अग्रसर करती है।

श्री सी.पी.राधाकृष्णन ने इस बात पर भी जोर दिया कि आज के डिजिटल युग में, पुस्तकालय ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं जो लोगों को प्रामाणिक जानकारी प्राप्त करने और गलत सूचनाओं का विरोध करने में सक्षम बनाते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तकनीक सूचना तक आसान पहुंच प्रदान करती है, वहीं पुस्तकालय समाज में गहराई, चिंतन और सार्थक संवाद को बढ़ावा देते हैं।

उपराष्ट्रपति ने शिक्षा और साक्षरता के क्षेत्र में केरल की असाधारण विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने श्री पी.एन. पणिक्कर को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दूरदर्शिता ने पुस्तकालयों को जीवंत सामुदायिक केंद्रों में बदल दिया, जिससे पुस्तकें और शिक्षा प्रत्येक नागरिक के करीब पहुंची।

डीएलसी अभियान 4.0 के तहत 2,000 से अधिक शहरों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचने का लक्ष्य

पीआईबी। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय 01 से 30 नवंबर, 2025 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र(डीएलसी) अभियान 4.0 आयोजित करेगा। सरकार के पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के तहत यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है, जो डिजिटल इंडिया और ईज ऑफलिविंग मिशन के साथ जुड़ा हुआ है। डीएलसी अभियान 4.0 का उद्देश्य अधिकतम आउटरीच दृष्टिकोण के साथ 2,000 से अधिक शहरों और कस्बों में दो करोड़ पेंशनभोगियों तक पहुंचना है। इस अभियान में आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक के उपयोग पर बल दिया जाएगा, जिससे पेंशनभोगियों को बायोमेट्रिक उपकरणों पर निर्भर नहीं होना पड़ेगा और वे स्मार्ट फोन द्वारा घर बैठे आसानी से अपना जीवन प्रमाणपत्र जमा कर सकेंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की डोरस्टेप डीएलसी सेवा के माध्यम से अति-वरिष्ठ और दिव्यांग पेंशनभोगियों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम(24 नवंबर, 2024), संविधान दिवस संबोधन(26 नवंबर, 2024) में भी इस बात पर बल दिया कि डिजिटल भारत की नई पहलों जैसे डिजिटल प्रमाणपत्र ।

ओडिशा के भुवनेश्वर में हथकरघा एवं हस्तशिल्प 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ

विचार-विमर्श में आजीविका को मजबूत करने और विरासत को संरक्षित करने के लिए डिजाइन नवाचार, डिजिटल सशक्तिकरण और सहकारी संघवाद पर जोर दिया गया

पीआईबी

ओडिशा के भुवनेश्वर में आज हथकरघा एवं हस्तशिल्प 2025 पर राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ, जिसमें भारत के हस्तनिर्मित क्षेत्र को विकसित भारत 2047 के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में पुनः परिकल्पित करने की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हथकरघा) और विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालयों द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी, नीति निर्माता और क्षेत्र के विशेषज्ञ भारत के हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योगों के विकास के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण तैयार करने हेतु एक एकत्र हुए। विचार-विमर्श दो प्रमुख उद्देश्यों पर केन्द्रित रहाः हस्तनिर्मित अर्थव्यवस्था के वर्तमान परिदृश्य का आकलन करना तथा आगामी राष्ट्रीय योजना की रूपरेखा तैयार करना, जिसका उद्देश्य गहन राज्य भागीदारी, एकीकृत शासन और सतत क्षेत्रीय विकास है।

वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने आज सम्मेलन के दूसरे दिन की अध्यक्षता की, जिसमें ओडिशा की अपर मुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त श्रीमती अनु गर्ग और ओडिशा सरकार की आयुक्त-सह-सचिव (हथकरघा, वस्त्र एवं हस्तशिल्प) श्रीमती पूनम गुहा तपस कुमार भी उपस्थित थीं।

अपने संबोधन में, सचिव (वस्त्र) श्रीमती नीलम शमी राव ने उत्पादकता बढ़ाने और कठिन परिश्रम को कम करने के लिए पारंपरिक शिल्प कौशल को आधुनिक उपकरणों के साथ संतुलित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सचिव ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) और भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) जैसे संस्थानों से बाजार चक्र से पहले डिजाइन और रंग के रुझान के पूर्वानुमान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। अंतर-राज्यीय समन्वय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने हस्तशिल्प क्षेत्र में कुशल आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने के लिए राज्यों के बीच कच्चे माल की निर्बाध आवाजाही का आह्वान किया। अपने संबोधन का समापन करते हुए उन्होंने कहा, हमें उसी इकोसिस्टम की रक्षा करनी चाहिए जिसे हम पोषित कर रहे हैं। चाहे हम इसे हथकरघा कहें या हस्तशिल्प, इसे हमारी अर्थव्यवस्था के एक गौण हिस्से के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए- यह वास्तव में भविष्य का प्रीमियम उत्पाद है। सचिव (वस्त्र) श्रीमती नीलम शमी राव ने यह भी कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच निरंतर संवाद सुनिश्चित करने, सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में परस्पर ज्ञान प्राप्त करने तथा हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों में की गई पहलों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए ऐसे सम्मेलन हर छह महीने में आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों के अनुरूप एक मजबूत, समावेशी और नवाचार-संचालित हस्तनिर्मित अर्थव्यवस्था के साझा दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए निरंतर समन्वय और आवधिक समीक्षा आवश्यक है। श्रीमती अनु गर्ग ने हथकरघा के सांस्कृतिक और पारिस्थितिक मूल्य को दोहराया तथा कोटपाड़ और डोंगरिया शॉल को टिकाऊ उदाहरण बताया।

शिल्पग्राम में झलकी छत्तीसगढ़ की परंपरा और रचनात्मकता

आगंतुकों को खूब लुभा रही कोसा और रेशमी साड़ियाँ, खादी परिधान

बेलमेटल, काष्ठ कला, माटी कला और टेराकोटा से निर्मित सजावटी वस्तुओं के प्रति दिख रहा रुझान

लोकशक्ति
रायपुर, संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25 वीं वर्षगांठ रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित भव्य राज्योत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। राज्योत्सव परिसर में निर्मित शिल्पग्राम में बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं और विभिन्न स्टॉलों से मनपसंद चीजों की खरीददारी कर रहे हैं। यहां प्रदेशभर से आए बुनकर और शिल्पकार अपने श्रेष्ठ उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय कर रहे हैं, जिनमें कोसा और रेशमी साड़ियाँ, पारंपरिक ड्रेस मटेरियल, खादी परिधान, बेलमेटल, काष्ठ कला, माटी कला और टेराकोटा की आकर्षक वस्तुएँ आगंतुकों को खूब लुभा रही हैं।

शिल्पग्राम प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्पकला का केंद्र

महोत्सव में स्थापित शिल्पग्राम प्रदेश की समृद्ध कला, संस्कृति और शिल्पकला का केंद्र बिंदु बना हुआ है। यहां हस्तशिल्प, माटीकला, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, रेशम प्रभाग, बिलासा हैंडलूम, हथकरघा इत्यादि के स्टाल लगाए गए हैं। साथ ही राज्योत्सव घूमने आए लोगों के लिए विशेष सजावट कर रंग-बिरंगे और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक आभूषणों, पर्वों के प्रतीकों पर आधारित सेल्फ़ी पॉइंट भी बनाए गए हैं, जिसमें सेल्फ़ी लेने की होड़ मची है।

शिल्पियों को भी बेहतर आय

यहां बिचौलियों के अभाव में ग्राहकों को उचित मूल्य पर उत्पाद सुलभ हो रही हैं, वहीं शिल्पियों को भी बेहतर आय हो रही है। कुछ दुकानों में अच्छे उत्पाद बाजार से कम मूल्य पर भी उपलब्ध है। ग्राहकों को शिल्पकारों और बुनकरों द्वारा उत्पादों में छूट भी दी जा रही है।

शादी का प्रलोभन देकर अनाचार के आरोपी को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / शादी का झांसा देकर अनाचार के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का विवरण इस प्रकार है कि आरोपी से पीड़िता का जान पहचान होने से एक दूसरे को बातचीत करते थे। इसी बीच आरोपी द्वारा पीड़िता को शादी करने का झांसा देकर कार में घुमाने ले जाने के बहाने सुनसान जगह ले जाकर पीड़िता के साथ जबरन अनाचार किया, पीड़िता शादी करने के लिए बोली तो आरोपी द्वारा टालमटोल करते हुए मना कर दिया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 563/2025 धारा 64(2)(रू) क्व्हस् कायम कर विवेचना मे लिया गया।

महिला पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए ?विजय कुमार पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी अकलतरा प्रदीप कुमार सोरी के नेतृत्व में आरोपी सीपत बिलासपुर तरफसे पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया।उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा,उप निरी.बी.एल कोसरिया,म.प्र.आर स्वाती गिरोलकर, आरक्षक राजा रात्रे का सराहनीय योगदान रहा।

कराते मास्टर ट्रेनिंग सेमिनार का हुआ आयोजन

जांजगीर चांपा / राज्य कराटे संघ यूनाइटेड शोतोकान छत्तीसगढ़ एवं जिला कराटे संघ जांजगीर चाम्पा के संयुक्त तत्वावधान में 2 नवम्बर रविवार को शिक्षा विभाग डाइट परिसर जांजगीर में कराटे मास्टर ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कराटे संघ के डायरेक्टर वरुण पाण्डेय (ब्लैक बेल्ट 5 डॉन) के मार्गदर्शन में फ्री फाइटिंग, काता, कुमिते, सेल्फ डिफेंस, बेसिक तकनीक, एक्सरसाइज का बहुत ही बारीकी से सम्मिलित प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रदेश सचिव सेंसेई रूखमणी रानू, सेंसेई वीरेंद्र डड़सेना महासमुंद,कराटे वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष पंकज दास रायपुर,रंगनाथ साहू मालखरौदा,वंशिका चौहान बसना, श्रीजेता बाजपेयी पिथौरा, गीता बरेठ, शालू प्रेमी ,काजल साहू,सना खान, संगीता रात्रे,सीमा सूर्यवंशी, हर्ष तिवारी, निशी धीवर पामगढ़,आराधना खूंटे बलौदा, जागृति यादव, सिम्मी यादव बिलासपुर, नेहा यादव, कविता खूंटे, वैभवी सिंह अकलतरा,दिनेश चंद्रा, रोशन यादव, मोहरसाय लहरे, विक्रम सिंह, हितेश बघेल, मनहरण निराला, बिना साहू, परमेश्वर चन्द्रा, अमित सूर्यवंशी, दिलेश्वर रात्रे, चंद्रप्रकाश मौआर, जितेंद्र कुमार सहित अन्य कोच उपस्थित रहे जिन्हें प्रमाण पत्र और ट्रेक शूट प्रदान कर सम्मानित किया गया ।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों का चयन आगामी 9 नवम्बर को पूरी ओड़िशा में होने वाली ओपन नेशनल कराटे चेम्पियनशिप 2025 हेतु किया गया, जो आगामी 8 नवम्बर को पूरी रवाना होगी । उक्ताशय की जानकारी पंकज दास ने दिए ।

संगीतमय श्री राम कथा एवं भव्य संत सम्मेलन का शुभारंभ

रायपुर / श्री दूधाधारी मठ में 2 नवंबर 2025 को संगीतमय श्री राम कथा एवं भव्य संत सम्मेलन का शुभारंभ सुबह 9 बजे हुआ । व्यास पीठ मे विराजित होने के लिए श्री अयोध्या धाम से अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी सियाराम शरण दास जी महाराज पधारे हुए हैं। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने बताया कि यह कार्यक्रम 2 नवंबर से 10 नवंबर 2025 तक आयोजित है। समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे एवं अपरान्ह 3 से शाम 6 बजे तक निश्चित है। यह कार्यक्रम सत्संग भवन में संचालित हो रहा है। प्रथम दिवस कथा का रसपान करने के लिए उज्जैन मध्य प्रदेश से माधव एक्सप्रेस के संपादक राहुल मिश्रा जी, मठ मंदिर ट्रस्ट कमेटी के सदस्य विजय पाली, राजेश अग्रवाल, विनोद मंगल अग्रवाल, रामकृष्ण पाली, राम छवि दास, शिव शंकर पांडे सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

आगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन 17 नवम्बर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर के जनपद पंचायत नवागढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पाली के आंगनबाड़ी केन्द्र 03 मे कार्यकर्ता पद रिक्त होने के फलस्वरूप 18 वर्ष से 44 वर्ष के महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया है।परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर नवागढ़ ने बताया कि उक्त पद हेतु 12 वीं उत्तीर्ण उक्त ग्राम के किसी भी अभ्यर्थी को आवेदन करना हो तो 17 नवम्बर 2025 तक एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर (जाज्वल्यदेव नवीन कन्या महाविद्यालय जांजगीर के पीछे पुराना बाल संरक्षण गृह) मे ।

भगत चौक यज्ञस्थल से देवी दाई मंदिर तक निकली भव्य कलश यात्रा

मनमोहक झांकी स्थापना के साथ अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ शुरू

रायगढ़ के युवती-महिलाओं द्वारा कर्मा नृत्य ने मोहा बस्तीवासियों का मन

जांजगीर-चाम्पा। भगत चौक पुरानी बस्ती जांजगीर में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा भगत चौक यज्ञ स्थल से कीर्तन मण्डली के साथ सड़क पारा, बरमबावा मंदिर, कहरा पारा होते हुए भगवती देवी दाई मंदिर भीमा तालाब पहुंची। यज्ञ के लिए लगभग 250 से अधिक महिलाओं, युवती व छोटी-छोटी बालिकाओं ने अपने सिर में कलश ऊठाया था और वो भजन, कीर्तन एवं भव्य कर्मा नृत्य के साथ-साथ चल रही थी। कलश यात्रा के सामने में भगत चौक की कीर्तन मण्डली द्वारा राम नाम का भजन गाया जा रहा था। वहीं पीछे-पीछे कलश यात्रा चल रही थी। कलश यात्रा भीमा तालाब के घाट पहुंची, जहां वरूण कलश की पूजा-अर्चना के बाद कलश यात्रा संकीर्तन पुनः बरमबावा मंदिर, सडक पारा होते यज्ञ स्थल पहुंची। गौरतलब है कि जिला मुख्यालय जांजगीर स्थित पुरानी बस्ती भगत चौक वार्ड क्रमांक 11 में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन लगातार 63 वर्ष से किया जा रहा है। प्रतिवर्ष वर्ष की भांति इस वर्ष भी 100 साल से अधिक पुराने विशाल वट वृक्ष के नीचे चबूतरे में 64 वें वर्ष में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का शुभारंभ देव आवाहन, स्थापना पूजा एवं स्वास्ति वाचन व देव मूर्तियों की झांकी स्थापना के साथ हुआ। भगत चौक के आचार्य पं. रामबिलास उपाध्याय, विनोद उपाध्याय (भागवताचार्य) एवं उनके परिवार द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना करा राम नाम का जयकारा लगवाते हुए अखण्ड नाम सप्ताह यज्ञ का शुभारंभ कराया गया। इसके बाद पूरे भगत चौक के लोगों द्वारा राम नाम का जाप प्रारंभ किया गया। राम नाम का जाप पूरे सात दिन और सात रात लगातार किया जाएगा। साथ ही जिले व अन्य युवाओं में दिख रहा भारी उत्साह वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखने के लिए 63 वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष बुजुर्गों से कहीं ज्यादा युवा वर्ग में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। युवा टोली इस वर्ष आयोजन शुभारंभ के महीने भर पहले से ही तैयारी में जुटी हुई थी। वहीं कलश यात्रा के दौरान युवा पीले एवं भगवा रंगे के कपड़े में भगवान श्रीराम एवं राधे कृष्ण की भक्ति में सराबोर नजर आए। जिलों की सैकड़ों कीर्तन मण्डली भी यहां भाग लेने पहुंचेंगी। कलश यात्रा को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के संस्थापक, संरक्षक, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, प्रचार प्रसार अध्यक्ष, व्यवस्थापक, मंच संचालन प्रभारी, पुजारी सहित मोहल्लेवासी जुटे हुए हैं।

युवा श्रीराम की भक्ति में सराबोर

वर्षों से चली आ रही परंपरा को कायम रखने के लिए इस वर्ष भी अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष बुजुर्गों से कहीं ज्यादा युवा वर्ग में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। युवा टोली इस वर्ष आयोजन शुभारंभ के महीने भर पहले से ही तैयारी में जुटी हुई थी। वहीं कलश यात्रा के दौरान महिला, युवती लाल व पीला साड़ी नें नजर आये वही युवा पीले एवं भगवा रंगे के कपड़े में भगवान श्रीराम एवं राधे कृष्ण की भक्ति में सराबोर डूबे दिखे।

लूट करने वाले एक नाबालिक सहित तीन आरोपी चढ़े चाम्पा पुलिस के हत्थे

आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम और एक नग मोबइल बरामद

जांजगीर चांपा / लूट की वारदात को अंजाम देने वाले एक नाबालिक सहित तीन आरोपी चांपा पुलिस के हत्थे चढ़ा है जिनके कब्जे से लूट की रकम सहित मोबाईल व बाइक जब्त किया गया है । गिरफ्तार आरोपियों में रितिक सिंह पिता अजय सिंह निवासी भोजपुर , तुषार पिता संतोष बरेठ निवासी शंकर नगर चांपा के साथ एक नाबालिक शामिल है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी सोनू सिदार निवासी मोहंदीखुर्द शक्ति ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह एडवांस कंप्यूटर शक्ति में सीसीटीवी कैमरा लगाने का काम करता है । दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को वह अपने दोस्त लक्षद्वीप के साथ बारात में चापा आया था , दोपहर करीबन 2:30 से 3:00 बजे के बीच नया बस स्टैंड के पास शराब भट्टी में शराब खरीदने गया हुआ था कि उसी समय तीन लड़के एक मोटर साइकिल में आये और मारपीट कर प्रार्थी से 3500 रुपये तथा लक्षद्वीप से 1 नग मोबाइल लूटकर भाग गये । उक्त रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध तत्काल लूट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार को दिया गया जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तारी करने के निर्देश प्राप्त हुए इसके पालन में तत्काल थाना चापा से निरीक्षक जेपी गुप्ता के नेतृत्व में एक टीम तत्काल मौके की ओर रवाना किया गया। पुलिस टीम के द्वारा घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज में तीन लड़के एक बाइक में जाते दिखे मोटरसाइकिल के नंबर के आधार पर शंकर नगर तथा भोजपुर क्षेत्र के अलग-अलग स्थान से एक नाबालिक सहित तीन आरोपियों को पकड़ा । पूछताछ करने पर प्रारंभिक तौर पर गुमराह करते रहे परंतु तकनीकी साक्ष्य एवं बारीकी से पूछताछ करने पर आरोपियों ने प्रार्थी एवं उसके दोस्त के साथ मारपीट कर 3500 रुपए एवं 1 नग मोबाइल लूट करने का अपराध घटित करना स्वीकार किया । आरोपी रितिक सिंह के कब्जे से लूट की रकम 1000 रुपए लूट गये 01 नग मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, आरोपी तुषार बरेठ से लूट की रकम 500 रुपए तथा एक नाबालिक से लूट की रकम 500 रुपए इस तरह कुल 2000 रुपये बरामद कर विधिवत कार्यवाही किया गया। उपरोक्त कार्रवाई में निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता थाना प्रभारी चापा, उपनिरीक्षक बेलसज्जर लकड़ा , आरक्षक वीरेश सिंह, शंकर राजपूत, मुद्रीका दुबे, जय उराव का विशेष योगदान रहा ।

खास खबर

पुलिस स्मृति दिवस पर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में शस्त्र प्रदर्शनी और भाषण प्रतियोगिता आयोजित

कोरबा, पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर कोरबा जिले में पुलिस विभाग द्वारा जन-जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोरबा में समाज में पुलिस की भूमिका विषय पर भाषण प्रतियोगिता एवं शस्त्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पुलिस बल की कार्यप्रणाली, आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक हथियारों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में आर.आई. अनथराम पैकरा, एस.आई. अंगद्वाज राठौर, उप निरीक्षक अजय सोनवानी (साइबर सेल प्रभारी कोरबा), विकेश्वर प्रताप सिंह, और संजीव सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. एल. एन. कंवर, डॉ. एस. के. गोभिल, डॉ. दिनेश श्रीवास, प्रो. सुशील गुप्ता और असिस्टेंट प्रोफेसर मधु कंवर शामिल रहे।

अग्निवीर थल सेना भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण का आयोजन 3 नवंबर से 31 दिसंबर तक

कोरबा जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा द्वारा भारतीय अग्निवीर थल सेना भर्ती 2025 केलिखित परीक्षा में उत्तीर्ण /चयनित अभ्यार्थियों के शारीरिक मापदण्ड परीक्षा हेतु03 नवंबर से 31 दिसंबर तक सी.एस.ई.बी. फुटबॉल ग्राउंड में शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।यह प्रषिक्षण निःशुल्क होगा।प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थी रोजगार कार्यालय कोरबा से संपर्क कर सकते है।

उपभोक्ता आयोग कोरबा में मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस

कोरबा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग कार्यालय कोरबा में सरदार बल्लभ भाई पटेल के 150 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को पूर्वान्ह में 10.30 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। जिसमें जिला आयोग के अध्यक्ष श्रीमती रंजना दत्ता द्वारा राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान सदस्य पंकज कुमार देवड़ा एवं कर्मचारीगण रामनारायण पटेल, मनीराम श्रीवास, राजेष्वर राव इंग्ले, संजय कुमार शर्मा, नूतन कुमार राजपूत, आरती श्रीवास,दुर्गा चैबे,आनंद ठाकुर उपस्थित थे।

असामयिक मृत्यु के दो प्रकरण में आठ लाख रूपये की सहायता राषि स्वीकृत कोरबा । अपर कलेक्टर कटघोरा द्वारा नदी में डूबने एवं सर्पदंष से मृत्यु कुलदो प्रकरण में पीड़ित परिजनों को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत चार लाख रूपये के मान से कुल आठ लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

कलेक्टर ने विद्युत गृह विद्यालय में बीएलओ को दिए जा रहे एसआईआर प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

बीएलओ को प्रशिक्षण में विशेष ध्यान देने व बारीकियों का गहनता से जानकारी प्राप्त करने के दिए निर्देश

कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से ना छूटे:- कलेक्टर

कोरबा संवाददाता।

भारत एवं छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्ष 2025-26 के लिए मतदाता सूची के वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियाँ घोषित की गई हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले में विभिन्न प्रपत्रो की प्रिंटिंग एवं प्रशिक्षण कार्य 03 नवंबर 2025 तक किया जाएगा। ततपश्चात 04 नवंबर से 04 दिसंबर 2025 तक बीएलओ द्वारा डोर टू डोर विजिट कर सर्वेक्षण एवं सूचीकरण कार्य संचालित किया जाएगा। इस हेतु जिले के सभी विधानसभाओं में बीएलओ को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा कोरबा नगरीय क्षेत्र के विद्युत गृह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 21, कोरबा अंतर्गत नियुक्त बीएलओ के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी बीएलओ को इस विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से ना छूटे ,तथा कोई भी अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में ना रहे। सभी इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने बीएलओ को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एसआईआर कार्यक्रम में बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस हेतु आपसभी प्रशिक्षण में विशेष ध्यान दें, सभी बारीकियों का गहनता से जानकारी प्राप्त कर अपनी शंकाओ एवं सर्वे के दौरान जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं का भी निराकरण प्राप्त कर लें।इस दौरान एसडीएम कोरबा श्री सरोज महिलांगे, मास्टर ट्रेनर श्री गौरव शर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर को विभिन्न प्रपत्रों , डोर टू डोर सर्वे कार्य, मतदाता सूची में नाम जोड़ने, स्थानांतरित करने, काटने हेतु उपयोगी प्रपत्रों के बारे में बताया गया। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण में बीएलओ को जानकारी देते हुए बताया गया कि उक्त सर्वे अवधि में बीएलओ प्रत्येक घर के मतदाताओं को गणना पत्रक की दो प्रति बाटेंगे तथा उसको भरने में मतदाताओं को सहयोग भी करेंगे। यदि मतदाता अनुपस्थित हो तो गणना पत्र को घर पर छोड़कर एक सूचना घर के दरवाजे पर चिपकाएंगे जिसमें इस बात का उल्लेख होगा कि बूथ लेवल ऑफिसर तीन अलग-अलग तिथियां में गणना पत्रक लेने के लिए पुनः आएंगे। गणना पत्र की एक प्रति बीएलओ अपने पास रखेंगे एवम दूसरी प्रति में मतदाताओं को पावती देंगे। गणना पत्रक पूर्व मुद्रित होगा जिसमें मतदाता की जानकारी मुदित होगी। मतदाताओं का वर्गीकरण अलग-अलग श्रेणी में करते हुए जिसमें सामान्य मतदाता ऐसे मतदाता होंगे जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में भी हो एवं 2003 के गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची में भी हो। इसी प्रकार कुछ मतदाता जिनका नाम 2025 की सूची में तो है, परंतु उनका नाम 2003 की सूची में नहीं है, परंतु उनके रिश्तेदार जैसे माता या पिता का नाम उस सूची में हो उनका चिन्हांकन करते हुए पत्रक भरा जाएगा । ऐसे दोनों प्रकार के मतदाताओं को कोई भी दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी, केवल 2003 के मतदाता सूची की स्क्रीनशॉट देनी होगी। जिन मतदाताओं का जन्म 1 जुलाई 1987 से पूर्व हुआ होगा एवं उनका नाम 2003 की सूची में नहीं है उन्हें 12 विहित दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। ऐसे मतदाता जिनका जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के मध्य हुआ हो उन्हें स्वयं के पहचान के लिए 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज तथा माता या पिता में से किसी एक के दस्तावेज को प्रस्तुत करने की आवश्यकता होगी ।

पेंशन योजनाओं के शेष बचे हितग्राहियों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं

कोरबा संवाददाता।

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के निर्देश पर अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने निगम के समस्त जोन उप प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि वे अपने जोन के अंतर्गत ऐसे शेष बचे सभी पेंशन हितग्राहियों, जिनका सत्यापन अभी तक नहीं किया जा सका है, का वार्षिक सत्यापन शीघ्र पूर्ण कराएं ताकि पेंशन हितग्राहियों को नियमित पेंशन की प्राप्ति में किसी प्रकार का अवरोध उपस्थित न होने पाएं। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना के पेंशन हितग्राहियों का वार्षिक सत्यापन मोबाईल एप के माध्यम से किए जाने हेतु पूर्व में दिए गए निर्देशों के तहत हितग्राहियों का सत्यापन कार्य निगम के सभी जोन में आयोजित शिविरों के माध्यम से कराया गया था किन्तु कुछ हितग्राहियों का सत्यापन कार्य किया जाना अभी भी शेष है।

शतप्रतिशत हितग्राहियों का सत्यापन कार्य सुनिश्चित किए जाने के मद्देनजर अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने समस्त जोन उप प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि वे अपने क्षेत्रांतर्गत इस हेतु पुनः मुनादी कराएं तथा हितग्राहियों को उनके आधार कार्ड व मोबाईल नम्बर के साथ उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए सत्यापन का कार्य पूरा कराएं ताकि हितग्राहियों को नियमित पेंशन प्राप्ति में किसी प्रकार की समस्या पैदा न हों तथा उन्हें नियमित रूप से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित हो सके। वहीं हितग्राहियों से भी अपील की गई है कि वे वार्षिक सत्यापन कार्य में सहयोग करें तथा अनिवार्य रूप से अपना सतयापन करा लें ताकि उन्हें नियमित पेंशन प्राप्त होने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

लैंगिक उत्पीड़न आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक साकेत में सम्पन्न

(कोरबा) । नगर पालिक निगम कोरबा कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु गठित आंतरिक शिकायत परिवाद समिति की बैठक निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत स्थित सभाकक्ष में सम्पन्न हुई, समिति के समक्ष किसी भी प्रकार की शिकायत व परिवाद न तो प्रस्तुत किया गया है और न ही लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

निगम में कामकाजी महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम हेतु लैंगिक उत्पीड़न निवारण प्रतिरोध और प्रतितोष अधिनियम 2013 के अंतर्गत निगम में आंतरिक शिकायत/परिवाद समिति का गठन किया गया है, जिसकी समय-समय पर बैठक आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में निगम के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में समिति की बैठक सम्पन्न हुई, बैठक के दौरान पाया गया कि समिति के पास इस संबंध में केाई भी शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है और न ही किसी प्रकार का परिवाद लंबित है, इस पर समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यालय में लैंगिक उत्पीड़न संबंधी विषयों पर सजग रहने व किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर त्वरित संज्ञान लेने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में समिति की अध्यक्ष गुलिस्ता साहू, सदस्य सचिव सुभाषिनी आशावान, तारा भगत, कीर्ति अनंत, तिरिथबाई, विनीता सिंह, तुलसीबाई, शिवकुमारी यादव, मालती सोनी, पुष्पा बंजारे, शांतिबाई, रामबाई, तिलका बाई ध्रुव, शीतला गोंड़, ललिता टंडन आदि उपस्थित थे।

गौवंश संरक्षण पर अनोखी प्रदर्शनी : श्री तेजकरण जैन के 'गौवंश संग्रह' ने सबका मन मोहा

कोरबा गौसेवा एवं गौवंश संरक्षण के प्रति गहरी निष्ठा रखने वाले समाजसेवी श्री तेजकरण जैन द्वारा तैयार गौवंश पर आधारित अनोखा और विशाल संकलन 30 अक्टूबर को अग्रसेन कन्या महाविद्यालय प्रांगण में प्रदर्शित किया गया। इस निःशुल्क प्रदर्शनी में दर्शकों ने विश्व के अनेक देशों के 476 नोट देखे जिन पर गाय की छवि अंकित है। साथ ही, गाय से संबंधित दुर्लभ सिक्कों का संग्रह भी आकर्षण का केंद्र रहा। प्रदर्शनी में गाय के जन्म से लेकर मृत्यु तक की यात्रा को डाक टिकटों के माध्यम से अत्यंत सुंदर और शिक्षाप्रद रूप में प्रस्तुत किया गया। अग्रसेन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य झा सर की उपस्थिति में आयोजित इस प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी रुचि से देखा और ज्ञानवर्धक जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने इस अद्वितीय संकलन की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें गाय के धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के बारे में नई जानकारी मिली। प्रदर्शनी में अतिथि चेंबर ऑफकॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष एवं लायंस क्लब के पूर्व गवर्नर रामसिंह अग्रवाल, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष योगेश जैन, राजेन्द्र तिवारी, पारस जैन, अनिल अग्रवाल और संजय अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के सफल आयोजन में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

० अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने साकेत भवन में अधिकारी कर्मचारियों को ग्रहण कराई राष्ट्रीय एकता की शपथ

कोरबा । लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस के अवसर पर निगम कार्यालय साकेत में नगर पालिक निगम कोरबा के अधिकारी कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली तथा राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के संकल्प को दोहराया। निगम के अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने अधिकारी कर्मचारियों को शपथ ग्रहण कराई। भारत सरकार द्वारा लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने से संबंधित दिए गए दिशा निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। निगम के अपर आयुक्त श्री विनय मिश्रा ने इस मौके पर अधिकारी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ ग्रहण कराई। शपथ ग्रहण करते हुए अधिकारी कर्मचारियों ने कहा कि हम सत्यनिष्ठा से शपथ लेते हैं कि हम राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करेंगे। हम यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहे हैं, जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यो द्वारा संभव बनाया जा सके, हम अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करते हैं।

इस अवसर पर उपायुक्त द्वय बी.पी.त्रिवेदी एवं पवन वर्मा, लेखाधिकारी भवकांत नायक, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, राजस्व अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, कार्यालय अधीक्षक अरविंद वानखेड़े, रामसिंह नेताम, अरूण मिश्रा, आनंद दुबे, दिवाकांत जायसवाल, कृष्णा दास महंत, भावेश यादव, पुकराज, लीलाम्बर यादव, द्वासराम साहू, बीना एंथोनी, तारा भगत, दीनदयाल साहू, शंकर साहू, हिमांशु राठौर, सरस देवांगन, श्यामलाल साहू, रामकृष्ण सोनी, प्रदीप सिकदर, रामशंकर पाण्डेय, अरूण वर्मा, परमेश्वर शर्मा, विकास यादव, धनेश यादव, उमाशंकर यादव, शीतला, विकास, बिहारी यादव, प्रमोद, जीवन कर्ष, रविशंकर तिवारी, कमल राठौर, रमेश कुमार सिदार, गरीब दास आदि के साथ अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत में खींचतान : सीईओ की कलेक्टर से शिकायत करने पहुंचे सदस्य

कोरबा संवाददाता।

जिला पंचायत कोरबा में सदस्यों और जिला सीईओ के बीच खींचतान उभर कर सामने आई है। गुरुवार को सामान्य सभा की बैठक के बाद कलेक्टर के पास पहुंचकर अध्यक्ष सहित सदस्यों ने शिकायत की। हालांकि, अध्यक्ष इससे इनकार कर रहे हैं लेकिन जिला पंचायत सदस्यों ने इस बात की पुष्टि की है।

जिला पंचायत सूत्रों के मुताबिक गुरुवार को जिला पंचायत में सामान्य सभा की बैठक आहूत की गई। इस बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष पवन सिंह सहित पदेन सचिव व जिला पंचायत सीईओ डीके नाग व विभागों के अधिकारी, जनपदों के अध्यक्ष तथा जिला पंचायत के सदस्य उपस्थित रहे। कटघोरा डीएफओ कुमार निशांत इस बैठक से नदारद रहे। विभागों की समीक्षा करने के साथ ही विषयों और मांगों पर निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी टी.पी. उपाध्याय को उनके अधीनस्थ खंड शिक्षा अधिकारियों के द्वारा मनमाने तरीके से शिक्षकों का संलग्नीकरण किए जाने पर कार्रवाई के संबंध में हिदायत दी गई। यह भी पूछा गया कि जिला शिक्षा अधिकारी ऐसे अवैधानिक संलग्नीकरण से अनजान कैसे हैं? बैठक के दौरान डीएफओ कुमार निशांत की अनुपस्थिति को लेकर सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की। सदस्यों की मानें तो कटघोरा डीएफओ उनका फोन तक नहीं उठाते। अध्यक्ष ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की और चेतावनी दी गई है कि अगली बैठक में डीएफओ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें अन्यथा उनके विरुद्ध मुख्यमंत्री, वन मंत्री, वन सचिव से शिकायत की जाएगी।

इस बैठक में नहीं आए सीईओ - सामान्य सभा की बैठक के बाद जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आहूत की गई जिसमें जिला पंचायत सीईओ उपस्थित नहीं हुए। उन्हें बैठक में आने के लिए बुलाया गया लेकिन वह आना जरूरी नहीं समझे। इसे लेकर अध्यक्ष की नाराजगी सामने आई। सूत्र बताते हैं कि जिला सीईओ के द्वारा जिला पंचायत भवन में स्थित पूर्व सभा कक्ष के दरवाजे पर ताला बंद कर दिया गया है वहीं उन कमरों में भी ताले लगवा दिए गए जहां जिला पंचायत सदस्यों के पति आकर बैठते रहे। जिला पंचायत प्रशासन का तर्क है कि अनावश्यक उनकी मौजूदगी बनी रहती है इसलिए कमरों में ताला लगवा दिया गया है। इस बात पर जिला पंचायत सदस्यों और अध्यक्ष ने भी पूर्व सभा कक्ष को ताला बंद कराए जाने पर नाराजगीं जताई। जिला सीईओ के प्रति नाराजगी और काफी समय से चली आ रही कथित खींचतान को लेकर अध्यक्ष ने सदस्यों के साथ कलेक्टर के पास पहुंचकर अपनी बात रखी। सूत्र बताते हैं कि जिला सीईओ से इस संबंध में उन्हें तलब कर चर्चा की गई और सदस्यों तथा अध्यक्ष को आश्वस्त किया गया कि सब कुछ ठीक कर लिया जाएगा। हालांकि, बाहर निकलकर मीडिया से चर्चा में अध्यक्ष इस बात को टाल गए व रुख मोड़ दिया।

हल्ला ब्याज की राशि का

दूसरी तरफ यह बात भी सामने लाई जा रही है- प्रचारित की जा रही है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल में जिस तरह से विभिन्न मदों में प्राप्त राशि के ब्याज की रकम जिला सदस्यों और अध्यक्ष को उनके क्षेत्र में कार्यों के लिए दी जाती रही है,उसे मांगा जा रहा है जबकि भाजपा सरकार ने ब्याज की राशि के खर्चे पर रोक लगा दी है। प्रचारित किया जा रहा है कि उक्त ब्याज की रकम प्राप्त करने को लेकर सीईओ द्वारा इंकार करने पर यह सारा कुछ घटनाक्रम उभर कर सामने आया है। वैसे बताते चलें कि न सिर्फ जिला पंचायत बल्कि जिले के सभी जनपद पंचायतों में ब्याज ही नहीं बल्कि 15 वित्त वें वित्त की राशि को भी विकास कार्यों की बजाय अनावश्यक कार्यों में खर्च किया जा रहा है। मनमाने तरीके से राशि खर्च की जा रही है और विकास कार्यों को दरकिनार कर दिया गया है। लाखों रुपए उन चीजों पर खर्च किए जा रहे हैं जिनके लिए विभागीय मद आते हैं। ऐसे में इनकी मनमानी चरम पर है जिस पर कोई लगाम नहीं कसी जा रही है।

ंदिरा गांधी और सरदार वल्लभ भाई पटेल को किया याद

जगदलपुर । राजीव भवन जगदलपुर में बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देशानुसार शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व.इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की द्वारा दोनों नेताओं के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया व श्रद्धांजलि दी गई।

वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ला ने भारत रत्न इंदिरा गांधी के शहादत दिवस और लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती को याद कर कहा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिया।उन्होंने पूरी दुनिया के सामने भारत को एक मजबूत देश के रूप में खड़ा किया।सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करते हुए कहा कि उन्होंने रियासतों का भारत में विलय कराया। उनकी दृढ़ता को देखते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें लौह पुरुष की उपाधि दी थी। इस दौरान हनुमान द्विवेदी, अंगद त्रिपाठी, गौरनाथ नाग, पार्षद सूर्यापानी, दिलीप सेठिया, भुवन झा, रविशंकर तिवारी, विजय उईके, वीरेंद्र परिहार, संजय पाणिग्रही, नरेंद्र तिवारी, हरिशंकर सिंह, विक्रांत सिंह, सलीम जाफर अली, खिरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

बस्तर और तोकापाल में राजनीतिक दलों के बूथ लेबल अभिकर्ताओं को दिया गया

जगदलपुर । निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025-26 की महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सफल, समावेशी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बस्तर और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के राजनैतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों को प्रशिक्षण दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बस्तर और तोकापाल द्वारा शनिवार 01 नवंबर को विभिन्न राजनैतिक दलों के बूथ लेबल एजेंटों (ब्लू) के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। यह सत्र विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 85-बस्तर (अजजा), 84-नारायणपुर (आंशिक), और 87-चित्रकोट अजजा के समस्त मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त बूथ लेबल एजेंटों को उनके दायित्वों और निर्वाचक नामावली को अद्यतन करने की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराने के लिए आयोजित किया गया। बस्तर तहसील के तहत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के लिए यह प्रशिक्षण जनपद पंचायत बस्तर के सभागार में दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित हुआ, जबकि विधानसभा क्षेत्र 87-चित्रकोट के बूथ एजेंटों के लिए जनपद पंचायत तोकापाल के सभागार में दोपहर 1 से 2 बजे तक सत्र रखा गया था। जिसमें सभी प्रमुख राजनैतिक दलों के बूथ लेबल अभिकर्ता शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल : फरसाबहार में खुलेगा सत्यसाईं मातृत्व शिशु अस्पताल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले की स्वास्थ्य सेवाएं लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। अब फरसाबहार क्षेत्र में सत्यसाईं मातृत्व शिशु चिकित्सालय एवं अत्याधुनिक बाल हृदय रोग उपचार अस्पताल की स्थापना की जा रही है। यह अस्पताल देश की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था सत्यसाईं ट्रस्ट द्वारा स्थापित किया जाएगा।

अस्पताल के लिए जिला प्रशासन ने पांच एकड़ भूमि का चिन्हांकन कर लिया है। स्थायी भवन निर्माण पूरा होने तक ट्रस्ट द्वारा फरसाबहार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में अस्थायी रूप से अस्पताल का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस महत्वपूर्ण पहल की घोषणा फरसाबहार में आयोजित आत्मनिर्भर भारत संकल्प शिविर के दौरान की।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि रायपुर स्थित सत्यसाईं अस्पताल पूरे देश में अपने निःस्वार्थ सेवा कार्यों के लिए जाना जाता है, जहां बच्चों के हृदय रोग का उपचार पूरी तरह निःशुल्क किया जाता है, यहां तक कि अस्पताल में कैश काउंटर तक नहीं है। अब तक वहां 40 हजार से अधिक बच्चों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी स्वयं इस अस्पताल की सेवा भावना से प्रभावित हैं और शीघ्र ही इसका निरीक्षण करने वाले हैं।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से उन्होंने ट्रस्ट से जशपुर जैसे आदिवासी बहुल जिले में स्वास्थ्य सेवा विस्तार का आग्रह किया था, जिसके परिणामस्वरूप ट्रस्ट ने फरसाबहार में अस्पताल स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह अस्पताल जिले के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसके शुरू होने से जशपुर सहित ओडिशा और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों के बच्चों को भी निःशुल्क और उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के दिसंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से जशपुर जिले में स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार हुए हैं कुनकुरी मेडिकल कॉलेज : मुख्यमंत्री के पहले बजट में घोषित, जिले का वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ। प्रथम चरण में 220 बिस्तरों वाले अस्पताल के लिए ?32 करोड़ स्वीकृत, 90 पदों की स्वीकृति, चराईडांड में भूमि चिन्हांकित, अस्थायी रूप से राजा देवशरण जिला चिकित्सालय से संचालन की प्रक्रिया जारी।

गदेव राम उरांव स्मृति चिकित्सालय, जशपुरनगर : ?35 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य प्रगति पर, सीटी स्कैन व अत्याधुनिक आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध होंगी।गिनाबहार मातृ-शिशु अस्पताल (स्ष्ट॥) : गर्भवती माताओं व नवजात शिशुओं के लिए उच्च स्तरीय केंद्र निर्माणाधीन।

छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई-बहिनी, लइका, सियान, महतारी मन ल दूनो हाथ जोड़के जय जोहार!

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका जी, प्रदेश के लोकप्रिय एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे वरिष्ठ साथी जुएल ओरांव जी, दुर्गा दास उइके जी, तोखन साहू जी, राज्?य विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह जी, उपमुख्यमंत्री अरुण साहू जी, विजय शर्मा जी, उपस्थित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधिगण और विशाल संख्या में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से आए हुए सभी मेरे प्यारे भाइयों और बहनों,

छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई-बहिनी, लइका, सियान, महतारी मन ल दूनो हाथ जोड़के जय जोहार!

आज छत्तीसगढ़ राज अपन गठन के 25 बछर पूरा करिस हे। ए मउका म जम्मो छत्तीसगढ़िया मन ल गाड़ा-गाड़ा बधई अउ सुभकामना।

छत्तीसगढ़ के रजत जयंती समारोह में छत्तीसगढ़िया भाई-बहनों के साथ-साथ सहभागी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आप सब भली भांति जानते हैं, मैंने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य गठन से पहले का दौर भी देखा है और बीते 25 साल में सफर का साक्षी भी रहा हूं। इसलिए, इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनना मेरे लिए भी अद्भुत अनुभूति है।

25 साल की यात्रा हमने पूरी की है। 25 साल का एक कालखंड पूरा हुआ है और आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। मेरा एक काम करेंगे आप लोग? सब लोग बताइए, मेरा एक काम करेंगे? करेंगे? अपना मोबाइल फोन निकालिए, मोबाइल फोन का फ्लैश लाइट चालू कीजिए और यह अगले 25 साल के सूर्योदय का आरंभ हो चुका है। हर एक हाथ में जो मोबाइल है, उसकी फ्लैश लाइट चालू कीजिए। देखिए चारों तरफमैं देख रहा हूं, आपकी हथेली में नए सपनों का सूरज उगा है। आपके हथेली में नए युग के संकल्पों की रोशनी नजर आ रही है। यही रोशनी जो आपके पुरुषार्थ से जुड़ी हुई है, जो आपके भाग्य का निर्माण करने वाली है।

25 साल पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था। साथ ही यह संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छुएगा। आज जब मैं बीते 25 वर्षों के सफर को देखता हूं, तो माथा गर्व से ऊंचा हो जाता है। छत्तीसगढ़ के आप सभी भाई-बहनों ने मिलकर अनेक

उपलब्धियां हासिल की हैं। 25 साल पहले जो बीज बोया गया था, आज वो विकास का वट वृक्ष बन चुका है। छत्तीसगढ़ आज विकास के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। आज भी छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा भवन मिला है। यहां आने से पहले भी मुझे आदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण करने का अवसर मिला। इस मंच से भी लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं विकास के इन सभी कार्यों के लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

साल 2000 के बाद यहां पूरी एक पीढ़ी बदल चुकी है। आज यहां नौजवानों की एक पूरी पीढ़ी है, जिसने 2000 पहले के वो पुराने दिन नहीं देखे हैं। जब छत्तीसगढ़ बना था, तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। उस समय बहुत सारे गांवों में सड़कों का नामों-निशान तक नहीं था। अब आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का नेटवर्क 40 हजार किलोमीटर तक पहुंचा है। बीते ग्यारह वर्षों में छत्तीसगढ़ में नेशनल हाईवे का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। नए-नए एक्सप्रेस वे अब छत्तीसगढ़ की नई शान बन रहे हैं। पहले रायपुर से बिलासपुर पहुंचने में कई घंटे लगते थे, अब उसका समय भी घटकर आधा ही रह गया है। आज भी यहां एक नए 4 लेन हाईवे का शिलान्यास किया गया है। यह हाईवे छत्तीसगढ़ की झारखंड से कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगा। छत्तीसगढ़ की रेल और हवाई कनेक्टिविटी के लिए भी व्यापक काम हुआ है। आज छत्तीसगढ़ में वंदे भारत जैसी तेज ट्रेनें चलती हैं। रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर जैसे शहर अब डायरेक्?ट फ्लाइट से कनेक्टेड हैं। कभी छत्तीसगढ़ सिर्फकच्चे माल के निर्यात के लिए जाना जाता था। आज छत्तीसगढ़ एक के रूप में भी नई भूमिका में सामने आ रहा है।

बीते 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने जो कुछ हासिल किया है, उसके लिए मैं हर मुख्?यमंत्री, हर सरकार का अभिनंदन करता हूं। लेकिन बहुत बड़ा श्रेय डॉक्टर रमन सिंह जी को जाता है। उन्होंने तब छत्तीसगढ़ को नेतृत्व दिया, जब राज्?य के सामने अनेक चुनौतियां थी। मुझे खुशी है कि आज वो विधानसभा के अध्यक्ष के तौर पर अपना मार्गदर्शन दे रहे हैं और विष्?णु देव साय जी की सरकार छत्तीसगढ़ के विकास को तेज गति से आगे ले जा रही है।

बस्तर और तोकापाल में राजनीतिक दलों के बूथ लेबल अभिकर्ताओं को दिया गया विशेष गहन पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

जगदलपुर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025-26 की महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सफल, समावेशी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बस्तर और चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के राजनैतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों को प्रशिक्षण दिया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बस्तर और तोकापाल द्वारा शनिवार 01 नवंबर को विभिन्न राजनैतिक दलों के बूथ लेबल एजेंटों (ब्लू) के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। यह सत्र विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 85-बस्तर (अजजा), 84-नारायणपुर (आंशिक), और 87-चित्रकोट अजजा के समस्त मतदान केंद्रों के लिए नियुक्त बूथ लेबल एजेंटों को उनके दायित्वों और निर्वाचक नामावली को अद्यतन करने की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराने के लिए आयोजित किया गया। बस्तर तहसील के तहत आने वाले विधानसभा क्षेत्रों के लिए यह प्रशिक्षण जनपद पंचायत बस्तर के सभागार में दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित हुआ, जबकि विधानसभा क्षेत्र 87-चित्रकोट के बूथ एजेंटों के लिए जनपद पंचायत तोकापाल के सभागार में दोपहर 1 से 2 बजे तक सत्र रखा गया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'कॉफी टेबल बुक' का किया मोचन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'कॉफ़ी टेबल बुक' का किया विमोचनःछत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और 'मोदी की गारंटी' का दस्तावेज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'कोसा कॉफ़ी टेबल बुक' का विमोचन किया। जनसंपर्क विभाग का यह विशेष प्रकाशन प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ में हुए जन-कल्याणकारी कार्यों और विकास यात्रा का विस्तृत दस्तावेज़ प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह कॉफी टेबल बुक प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी के अंतर्गत पूरे हुए विकास कार्यों का प्रमाण है। इसमें उन योजनाओं और पहल का समावेश है, जिन्होंने छत्तीसगढ़ की धरती पर विश्वास, विकास और पारदर्शिता का नया अध्याय लिखा है। 'कॉफी टेबल बुक' में प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों को मिले आवास, किसानों को दी गई धान बोनस राशि, कृषक उन्नति योजना के तहत हुए कृषि सुधार, तथा लोक सेवा आयोग (क्क्ष्ट) परीक्षा मूल्यांकन प्रणाली में लायी गई पारदर्शिता जैसे अनेक जनहितकारी सुधारों का विस्तारपूर्वक विवरण शामिल है। 'कॉफ़ी टेबल बुक' में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं - जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, हर घर जल मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, और डिजिटल प्रशासनिक सुधार - के माध्यम से छत्तीसगढ़ में आए सकारात्मक परिवर्तनों को चित्रों और आँकड़ों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है।यह पुस्तक न केवल योजनाओं की जानकारी देती है, बल्कि यह बताती है कि किस प्रकार केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से आम नागरिकों का जीवन बदला है। ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के अवसर, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और प्रशासनिक पारदर्शिता के क्षेत्र में हुए कार्यों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।

एनआईटी रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का हुआ समापन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिए गए पुरुस्कार

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। एनआईटी रायपुर में 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर विजिलेंस अवेयरनेस वीक का आयोजन संस्थान के मुख्य विजिलेंस अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान के मार्गदर्शन में किया गया। इस सप्ताह के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान,निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा पुरस्कार वितरण समारोह जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ.एन.वी. रमना राव रहे, साथ ही कार्यक्रम में फैकल्टी मेंबर्स और प्रतिभागी भी उपस्थित रहे। सबसे पहले डॉ. विवेक अग्निहोत्री ने कार्यक्रम के दौरान हुई विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के बारे में बताया तथा विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

डॉ. एन. वी. रामना राव ने अपने संबोधन में कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर होना ईमानदारी और एकता के मूल्यों को सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी से भ्रष्टाचार के प्रति जागरूक रहते हुए संविधान के प्रति निष्ठा बनाए रखने का आह्वान किया। मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. प्रभात दीवान ने कहा कि सतर्कता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का दृष्टिकोण है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों से अधिकतम लाभ प्राप्त होने की बात कही और सभी को निष्ठा, पारदर्शिता व सत्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर ध्रुव शर्मा, द्वितीय स्थान पर अनुज चंद्र झा और तृतीय स्थान पर सई भाकरे एवं आयुषी तिवारी संयुक्त रूप से विजेता रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में पक्ष वर्ग से प्रथम स्थान पर जागृति सिंह, द्वितीय स्थान पर आस्था प्रधान रही, वहीं विपक्ष वर्ग में प्रथम स्थान संकल्प वैद्य और द्वितीय स्थान रोहित तुरानी ने प्राप्त किया। इन सभी प्रतिभागियों को समापन समारोह में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के पहले एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। नाटक के माध्यम से सतर्कता, ईमानदारी और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया गया। इस प्रस्तुति में उदाहरणों के माध्यम से यह दिखाया गया कि भ्रष्टाचार कहाँ-कहाँ और किस प्रकार हो रहा है और इससे कैसे लड़ा जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सर्वांगीण विकास की कामना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक संस्कृति के अनुरूप पूजा-अर्चना कर राज्य की धरोहर, संस्कृति, मातृशक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक

छत्तीसगढ़ महतारी को नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी अस्मिता, आस्था और गर्व का प्रतीक हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह भूमि मातृशक्ति की आराधना वाली भूमि है और छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से ही प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों को राज्योत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार आम जनता के जीवनस्तर में सुधार, महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, युवाओं को रोजगार, आदिवासी समाज की उन्नति और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रजत जयंती वर्ष प्रदेश के लिए नई ऊर्जा और संकल्प का प्रतीक है। आज का दिन विशेष रूप से गौरव का क्षण है, क्योंकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आज छत्तीसगढ़ आगमन है और राज्य स्थापना दिवस पर अनेक ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी के आशीर्वाद से आने वाले समय में प्रदेश निश्चित ही देश के अग्रणी और समृद्ध राज्यों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित गणमान्य नागरिक और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

अब ड्राईविंग लाइसेंस प्रक्रिया हुई और अधिक पारदर्शी

0 आधुनिक तकनीक से होगा ड्राईविंग टेस्टः परिवहन मंत्री केदार कश्यप जगदलपुर, 01 नवंबर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में परिवहन विभाग द्वारा वाहन चालकों की योग्यता और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग टेस्ट और लाइसेंसिंग प्रक्रिया का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार राज्य के 8 जिले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जगदलपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और कोरबा में ई-ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक (ई-ट्रैक) की स्थापना की जा रही है।

इन आधुनिक ई-ट्रैकों के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी तरीके से लिए जाएंगे। इसका उद्देश्य है कि ड्राइविंग परीक्षण में मानव हस्तक्षेप कम हो, निष्पक्षता बनी रहे और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। ई-ट्रैक प्रणाली में वाहन नियंत्रण, लेन अनुशासन, सिग्नलिंग, गति नियंत्रण और सड़क सुरक्षा से जुड़ी तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इसमें लगे डिजिटल सेंसर और कैमरे अभ्यर्थियों की ड्राइविंग क्षमता का सटीक मूल्यांकन करेंगे। इससे लाइसेंस प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होगी तथा पात्र आवेदकों को समय पर सही परिणाम प्राप्त होंगे।

परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी बल्कि छत्तीसगढ़ को स्मार्ट परिवहन व्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी। सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था राज्य के लोगों के जीवन में सहजता और भरोसा लाएगी। उन्होंने कहा कि यह राज्य में सुरक्षित, स्मार्ट और विश्वसनीय परिवहन व्यवस्था के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। परिवहन सचिव एस. प्रकाश ने कहा कि ई-ट्रैक की मदद से योग्य चालकों को प्रमाणित किया जाएगा, जिससे जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा मिलेगा और सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि इन जिलों में ई-ट्रैक शुरू होने के बाद आवेदक ऑनलाइन आवेदन और अपॉइंटमेंट बुकिंग के माध्यम से ड्राइविंग टेस्ट दे सकेंगे। सफल परीक्षण के बाद उन्हें डिजिटल फीडबैक और लाइसेंस जारी किया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)